कृषक महिला समाचार
ICAR - CIWA NEWSLETTER

October 2019-March 2020 Vol. 13 (2) अक्तबर 2019 - माच 2020 खण्ड. 13 (2)

From Director's Desk...

This half yearly period witnessed momentous recognition as the Institute bagged the prestigious award "BEST INSTITUTE IN AGRICULTURE" by CMO Global (www.cmoglobal.org), CMO Asia (www.cmoasia.org) and World CSR Day (www.worldcsrday.com). ICAR-CIWA is the only institution under Indian Council of Agricultural Research (ICAR) to address gender concerns in agriculture for enhancing the productivity and sustainability in agriculture. In order to demonstrate the output and utilities of gender research, strong partnerships with ICAR institutions, KVKs, SAUs, development agencies, NGOs and international organizations were worked out. The Institute organized an Institute-Industry-Stakeholders Interface on "Development of Gender Sensitive Entrepreneurship Model through Institute-Industry-Stakeholders Linkage on Convergence Mode" under ICAR funded Extramural Project. ''Poultry Fair 2020'' was organized under the project 'Developing gender sensitive model for doubling farmers' income by addressing gender concerns and technological gaps' at Village Nuasahi in Puri district. The Institute conducted four days trainers' training programme on ''Promoting technological and economic empowerment of women farmers through gender friendly farming techniques'' sponsored by ATMA, Valsad, Gujarat from 14-17 October, 2019. A series of 2 days training programmes were conducted at ICAR-CIWA under CAT programme sponsored by NABARD on "Capacity Building of Farm Women". The Institute celebrated/ observed important National Days/ Weeks such as Vigilance Awareness Week, *Rashtriya Ekta Diwas*, Agricultural Education Day, Women in Agriculture Day, World Soil Health Day, *Kisan Divas, Swachhta Pakhwada,* National Science Day, Mahila Kisan Diwas, World Food Day, Constitution Day and Citizens' Duties Campaign, Hindi Pakhwada, Foundation Day & Technology Demonstration Mela and International Women's Week. The other national programmes such as Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG) and Scheduled Castes Sub Plan (SCSP) were also implemented focussing on technology dissemination, capacity building of beneficiaries, input support and technology showcasing through exposure visits for the socio-economic empowerment of women in agriculture.

(S.K. SRIVASTAVA)
DIRECTOR

निदशक की कलम स.....

इस आधे वर्ष की अवधि के दौरान संस्थान को अनेक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं जैसेकी सीएमओ ग्लोबल (www.cmoglobal.org), सीएमओ एशिया (www.cmoasia.org) और विश्व सीएसआर दिवस (www.worldscsday.com) द्वारा 'कृषि में सर्वश्रेष्ठ संस्थान' प्रतिष्ठित पुरस्कार। भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (के.कृ.म.सं.) कृषि की उत्पादकता व टिकाऊपन बढ़ाने के लिए कृषि से जुड़ी लिंग संबंधी समस्याओं को हल करने का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एकमात्र संस्थान है। लिंग के निर्गम तथा उपयोगिताओं को प्रदर्शित करने के लिए संस्थान में भा.कृ.अनु.प. के अन्य संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, विकास एजेंसियों, स्वयं सेवी संगठनों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सशक्त साझेदारियां की गई हैं। संस्थान में एक्स्ट्राम्यूरल परियोजना की निधि सहायता से भा.कृ. अनु.प. के अंतर्गत 'संकीर्णन मोड में संस्थान-उद्योग-हितधारकों के बीच पारस्पिरिक सम्पर्क के माध्यम से लिंग संवेदी उद्यमशीलता विकास' पर संस्थान-उद्योग, हितधारकों की एक पारस्परिक चर्चा बैठक आयोजित हुई। इसी प्रकार, पुरी जिले के नौसाली गांव में 'लिंग संबंधी समस्याओं तथा प्रौद्योगिकी अंतरालों की समस्या से निपटते हुए किसानों की आय दुगुनी करने के लिए लिंग संबंधी मॉडल विकास' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत 'कुक्कुट मेला 2020' आयोजित किया गया। संस्थान में 'आत्मा' द्वारा 'लिंग मित्र खेती की तकनीकों के माध्यम से महिला कृषकों में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना व उनका आर्थिक सशक्तिकरण' विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 14-17 अक्तूबर 2019 को आत्मा (वलसाड, गुजरात) द्वारा प्रायोजित था। इसके साथ ही 'खेतिहर महिलाओं की क्षमता निर्माण' विषय पर नाबार्ड द्वारा प्रायोजित सीएटी कार्यक्रम के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. में अनेक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान में अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दिवस/सप्ताह जैसे सतर्कता जागरूकता सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दिवस, कृषि शिक्षा दिवस, कृषिरत महिला दिवस, विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस, किसान दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, महिला किसान दिवस, विश्व खाद्य दिवस, संविधान दिवस तथा नागरिक कर्तव्य अभियान, हिन्दी पखवाड़ा, स्थापना दिवस एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला और अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुए। इसके साथ ही मेरा गाँव मेरा गौरव (एमजीएमजी) और अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) जैसे अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रम भी चलाए गए जिनमें प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, कृषि में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण के लिए दौरों व भ्रमणों के माध्यम से प्रौद्योगिकी के प्रचार-प्रसार व लाभार्थियों की क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा सके।

(एस. के. श्रीवास्तव)
निदेशक

RESEARCH HIGHLIGHTS

Gender Sensitive Model for Doubling Farmers' Income by Addressing Gender Concerns and Technological Gaps

J. Charles Jeeva, S.K. Srivastava, Anil Kumar, Sabita Mishra, A.K. Panda, Jyoti Nayak, Tanuja, S. and Ankita Sahu

The study was taken up with the objectives of profiling income generating activities of farm families and identifying points of interventions; conducting micro level studies to identify gender concerns and technological gaps in doubling farm income; implementing technological modules for enhancing productivity with an aim to enhance farm income with emphasis on integrating gender roles and to study the impact of the interventions to develop a gender-sensitive model for doubling farmers' income. The study was taken up among a cluster of 50 farm women from selected villages in Nimapara block of Puri district in Odisha. Mixed methods research approach was followed for collecting qualitative and quantitative data using focussed group discussions, key-informant interviews, and in-depth household interviews. Assessment of demographic profile, primary data collection on gendered contribution to family income, gendered scope of doubling family income and analysis of cropping pattern and other allied activities were carried out. Mapping the resource-base of the eco-system was done using PRA tools and interaction with local leaders and key informants. Micro level studies were also conducted for identification of gaps and prioritization of needs, and developing an action plan. A gender sensitive model to enhance farmers' income by addressing gender concerns and technological gaps was developed (Fig.1.).

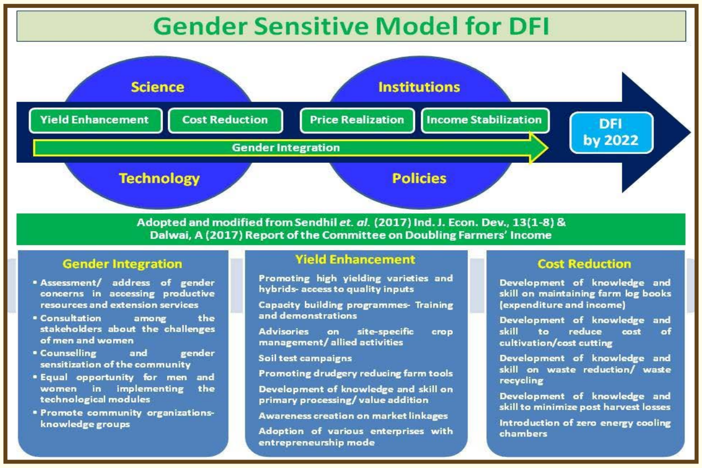

Fig.1. Gender-sensitive model for doubling farmers' income

अनुसंधान उपलब्धियां

लिंग संबंधी मुद्दों और प्रौद्योगिकी अंतरालों को कम करते हुए किसानों की आय दुगुनी करने के लिए लिंग संवेदी मॉडल

जे. चार्ल्स जीवा, एस. के. श्रीवास्तव, अनिल कुमार, सबिता मिश्रा, ए. के. पाण्डा, ज्योति नायक, तनुजा, एस. और अंकिता साहू

यह अध्ययन किसानों की आय दुगुनी करने के लिए लिंग संबंधी मुद्दों और प्रौद्योगिकी से जुड़े अंतरालों की पहचान के लिए सूक्ष्म स्तर पर अध्ययन करने हेतु हस्तक्षेपों के बिंदुओं को पहचानने और कृषक परिवारों की आय सृजित करने वाली गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है। इसके साथ ही इसका उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के मॉड्यूल लागू करना है, ताकि खेती से होने वाली आय बढ़ सके, लिंग संबंधी भूमिकाओं के एकीकरण पर जोर दिया जा सके और किसानों की आय दुगुनी करने के उद्देश्य से लिंग-संवेदी मॉडल विकसित करने हेतु हस्तक्षेपों के प्रभाव का अध्ययन हो सके। यह अध्ययन ओडिशा में पुरी जिले के निमापाडा ब्लॉक के चुने हुए गांवों से ली गई 50 कृषक महिलाओं के एक समूह पर किया गया। विषय-वस्तु पर केन्द्रित सामूहिक चर्चाओं, मुख्य सूचना दाताओं के साक्षात्कारों तथा परिवारों के गहन साक्षात्कारों के माध्यम से गुणात्मक एवं मात्रात्मक एकत्र करने के लिए मिश्रित विधियों वाले अनुसंधान दृष्टिकोण को अपनाया गया। परिवार की आय दुगुनी करने और फसल पद्धति के विश्लेषण के लिए लिंग के आधार पर किए गए योगदानों पर प्राथमिक आंकड़े एकत्र करते हुए जनसंख्या मूल्यांकन रूपरेखा तैयार करने के साथ-साथ अन्य संबंधित गतिविधियां भी चलाई गईं। पीआरए युक्तियों का उपयोग करते हुए स्थानीय नेताओं व प्रमुख सूचना प्रदान कर्ताओं के साथ मिलकर पारिस्थितिक प्रणाली का संसाधन आधारित मानचित्रण किया गया। प्रौद्योगिकी अंतरालों की पहचान करने व आवश्यकताओं की प्राथमिकता निर्धारित करने की दृष्टि से कार्य योजना विकसित करने हेतु सूक्ष्म स्तर के अध्ययन भी किए गए। लिंग संबंधी समस्याओं तथा प्रौद्योगिकी अंतरालों को कम करते हुए किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक लिंग संवेदी मॉडल विकसित किया गया।

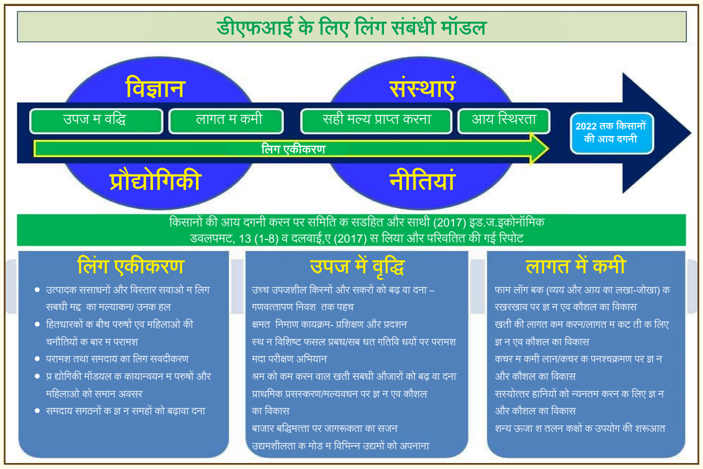

चित्र 1. किसानों की आय दुगुनी करने के लिए लिंग-संबंधी मॉडल

The gender perspectives were integrated by way of assessment of gender concerns in accessing productive resources and extension services among the farm families, counselling and gender sensitization of the community, and promoting community organizations (knowledge groups of women). A team of experts analyzed the technological and developmental gaps and designed logical technological modules. The need based modules were implemented through 16 programmes covering the selected farm families. The technological interventions for DFI included; promoting high yielding varieties and hybrids, capacity building programmes, advisories on site-specific crop management/ allied activities, soil test campaigns, promoting drudgery reducing farm tools, animal health camps, development of knowledge and skill on maintaining farm log books (expenditure and income), development of knowledge and skill to reduce cost of cultivation/ cost cutting, development of knowledge and skill on waste reduction/ waste recycling, development of knowledge and skill to minimize post harvest losses, development of knowledge and skill on primary processing/ value addition, awareness creation on market linkages, regular interfaces and monitoring and convergence of developmental agencies. Concurrent monitoring and impact assessment were done using participatory tools and interview schedule based surveys (baseline and endline surveys). The impact of the field level capacity building and technology transfer programmes, and the impact of gender integration on family income and the cash in hand among farmwomen are given in Fig.2.

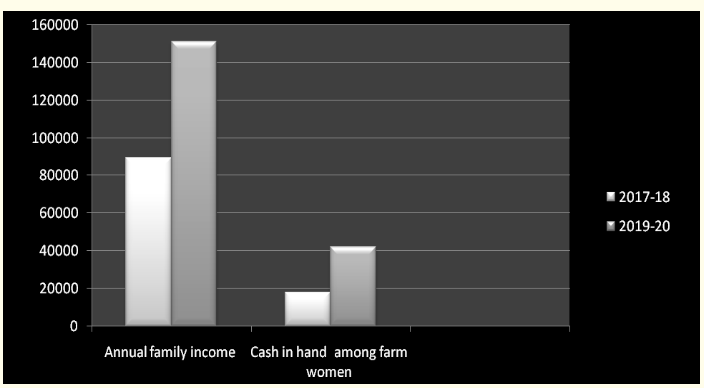

Fig.2. Impact of gender integration on family income/cash in hand among farm women

किसान परिवारों के बीच उत्पादक संसाधनों और विस्तार सेवाओं तक पहुंच से जुड़े लिंग संबंधी मुद्दों के मूल्यांकन, समुदाय को सलाह देते हुए लिंग संवेदन और समुदाय संगठनों (महिलाओं के ज्ञान के समूहों) को बढ़ावा देकर लिंग संबंधी पहलुओं को एकीकृत किया गया। विशेषज्ञों के एक दल ने प्रौद्योगिकी तथा विकास संबंधी कमियों का विश्लेषण किया और तर्कसंगत प्रौद्योगिकी मॉड्यूल तैयार किए। चुने हुए कृषक परिवारों को शामिल करते हुए 16 कार्यक्रमों के माध्यम से आवश्यकता आधारित मॉड्यूल कार्यान्वित किए गए। किसानों की आय दुगुनी करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों में शामिल थे : उच्च उपजशील किस्मों और संकरों को बढ़ावा देना, क्षमता निर्माण संबंधी कार्यक्रम, स्थान विशिष्ट फसल प्रबंधन/संबंधित गतिविधियों पर परामर्श, मृदा परीक्षण संबंधी अभियान, श्रम में कमी लाने वाले खेती संबंधी औजारों को बढ़ावा देना, पशु स्वास्थ्य शिविर, ज्ञान का विकास और फार्म लॉगबुक (आय और व्यय का लेखा-जोखा) तैयार करने पर ज्ञान एवं कौशल का विकास, खेती लागत कम करने/ लागत में कटौती करने के लिए ज्ञान और कौशल का विकास, कचरे में कमी लाने, कचरे के पुनश्चक्रमण पर ज्ञान और कौशल का विकास, सस्योत्तर हानियां कम करने के लिए ज्ञान और कौशल का विकास, प्राथमिक प्रसंस्करण/मूल्यवर्धन पर ज्ञान एवं कौशल का विकास, बाजार सम्पर्क के बारे में जागरूकता सृजन, विकासात्मक एजेंसियों के साथ निरंतर पारस्परिक सम्पर्क, निगरानी और संकीर्णन। भागेदारीपूर्ण युक्तियों का उपयोग करके तथा साक्षात्कार अनुसूचित आधारित पर्यवेक्षणों (आधार रेखा तथा अंतिम रेखा सर्वेक्षणों) का उपयोग करके निरंतर निगरानी व प्रभाव मूल्यांकन किया गया। खेत स्तर पर क्षमता निर्माण व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी कार्यक्रमों के प्रभाव तथा परिवार की आय पर लिंग एकीकरण के पड़ने वाले प्रभाव तथा खेतिहर महिलाओं के पास मौजूद नकद राशि का विवरण चित्र 2 में दिया गया है।

चित्र 2. पारिवारिक आय/खेतिहर महिलाओं के पास मौजूद नकद राशि पर लिंग एकीकरण का प्रभाव

To increase income of farmers, a range of strategies (economic, technological, infrastructural/ information, political/policy and social) need to be adopted to transform the current production-driven to income-driven farming system and reduce the disparity among farmers of different regions of India. A region and state-specific action plan is required to address the constraints of increasing farmers' income. For gender mainstreaming the focus should be on; recognising women's role as farmer/ agripreneur, promoting agricultural education among farm women, creation of well structured gender sensitive modules for effective transfer of technologies, gender mainstreaming in govt. programmes & policies, building resilience among farm women to cope with natural calamities and climate change and creating database on women's participation in agriculture.

Gender Inclusive Homestead Aquaculture for Enhancing Household Fish Consumption and Income

Tanuja, S., Ananta Sarkar, Gayatri Moharana and Chaitrali S. Mhatre

The project was undertaken with the participation of rural women in four villages of Satyabadi block, Puri District with an objective to improve household fish consumption and income through poly-culture of Indian Major Carps (IMC) and small indigenous fishes (SIFFS) in homestead ponds and the vertical utilisation of pond bunds for vegetable production. A total production of 2.31 tonnes/ha (1.75 tonnes of IMC and 0.56 tonnes of SIFFS) was realized during the first season with a net profit of 1.21 lakh/ha from the sale of IMC. Although the second crop was stocked in August 2018, the farmers suffered a huge loss of the stock because of the cyclone *Fani* which struck Odisha on 3 May, 2019. The subsequent harvesting was done in November 2020 where in they could get an yield of only 106 kg/0.17 ha. Ninety six kilograms of small indigenous fishes were harvested during the final harvest of IMC which was sold @ Rs 110/kg. A gender sensitive training module on homestead integrated aquaculture was prepared

किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेक विविध प्रकार की कार्यनीतियां (आर्थिक, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे संबंधी/ सूचनात्मक, राजनीतिक/नीति और सामाजिक) अपनाने की आवश्यकता है, ताकि आय संचालित खेती प्रणाली के लिए वर्तमान उत्पादन प्रणाली को रूपांतरित किया जा सके और भारत के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों के बीच मौजूद असमानता कम की जा सके। किसानों की आय बढ़ाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए एक क्षेत्रीय तथा राज्य विशिष्ट कार्य योजना की आवश्यकता है। लिंग संबंधी मुद्दे को मुख्य धारा में लाने के लिए हमें कृषक/कृषि उद्यमियों के रूप में महिलाओं की भूमिका को पहचानना होगा, खेतिहर महिलाओं के बीच कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना होगा, प्रौद्योगिकियों के प्रभावी हस्तांतरण के लिए भली प्रकार सुगणित लिंग संवेदी मॉड्यूल सृजित करने होंगे, सरकारी कार्यक्रमों व नीतियों में लिंग संबंधी समस्याओं को मुख्य धारा के रूप में लेना होगा, प्राकृतिक आपदाओं एवं जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए खेतिहर महिलाओं के बीच समुत्थानशीलता लानी होगी और कृषि में महिलाओं की भागेदारी पर डेटाबेस सृजित करना होगा।

परिवारों में मछली उपभोग और आय बढ़ाने के लिए लिंग समाहित घरेलू स्तर पर जलजंतुपालन

तनुजा एस., अनन्त सरकार, गायत्री महराना और चैत्राली एस. म्हात्रे

ओडिशा के पुरी जिले के सत्यबादी ब्लॉक के चार गांवों में ग्रामीण महिलाओं की प्रतिभागिता पर एक परियोजना चलाई गई जिसका उद्देश्य घर के आस-पास के तालाबों में भारतीय प्रमुख कार्प (आईएमसी) तथा छोटी देसी मछलियों (एसआईएफएफएस) के पालन के द्वारा घरेलू स्तर पर मछलियों के उपभोग और आय को बढ़ाना और सब्जी उत्पादन के लिए तालाब के आस-पास के बांधों का उपयोग करना था। प्रथम मौसम के दौरान कुल 2.31 टन/हैक्टर (1.75 टन भारतीय देशी कार्प और 0.6 टन एसाआईएफएफएस) का उत्पादन हुआ जिससे आईएमसी की बिक्री से 1.21 लाख/ हैक्टर का निवल लाभ प्राप्त हुआ। यद्यपि दूसरी फसल अगस्त 2018 में स्टॉक की गई लेकिन 3 मई 2019 को ओडिशा में आए फैनी चक्रवात के कारण इस स्टॉक को बहुत अधिक हानि हुई। बाद में मछलियों का प्रग्रहण नवम्बर 2019 में किया गया जिससे केवल 106 कि.गा./0.17 हैक्टर की उपज ही प्राप्त हुई। भारतीय प्रमुख कार्प के अंतिम प्रग्रहण के दौरान केवल 96 कि.ग्रा. छोटी देसी मछलियां प्राप्त हुईं जिन्हें 110 रुपये/कि.ग्रा. की दर से बेचा गया। घर

which could serve as s a guide for extension functionaries and researchers involved in rural aquaculture involving women. Mobile based advisories regarding aquaculture management, emerging technologies and government schemes were given to the homestead aquaculture farmers through the WhatsApp group “Homestead Aquaculture”.

DSIR funded project on ''Adding Value to Fish: a Potential Livelihood Option for Rural Women of Odisha''

Tanuja, S. and J. Charles Jeeva

The project was initiated with the objective to build the capacity of 200 (members of SHGs) fisherwomen of Puri district in Odisha through skill and management training to be successful entrepreneurs in value addition of fish. A group of 12 master trainers was selected from the Kanamana Village, Astaranga. They belong to two SHG groups viz., Biswa Bharati Maa and Maa Mangala of the village. The selected master trainers from Kanamana Village, Astaranga took part in the exhibition arranged in connection with the Foundation Day and Technology Demonstration Mela of ICAR-CIWA on 17 February, 2020. They were also facilitated to take part in a research-extension-farmer interface meeting organised in connection with the Foundation Day of the Institute. They sold the first batch of value added fish products during the exhibition on a pilot basis and earned a revenue of Rs 1,650/-. The building for production of value added fish products has been identified in the village

(Health & Family Welfare Department)
Food Safety and Standard Authority of India
OFFICE OF THE CITY HEALTH OFFICER :
PURI (EXCEPT MUNICIPALITY)

Registration Certificate-RC

(See Regulation 2.1.1(5))

Food License Under FSS Act,2006

Registration No. 22020026000056

1. Name and permanent address of Food Business Operator (FBO): PINAKI PARIMITA, Khushi Harmony 508 A Near Saptasati Temple Paladin, Bhubaneswar, Bhubaneswar, KHORDHA(EXCEPT MUNICIPAL CORPORATION) (Orissa), - 751010
2. Address of location where food business is to be conducted / premises: At Kanamana PO Kusumbar Ps Astaranga, Astaranga, PURI (EXCEPT MUNICIPALITY) (Orissa), - 752109
3. Kind of Business: All food processing units other than mentioned above Manufacturer/Processor
4. Photo Identity Card: Aadhaar Card

This Registration is granted under and is subject to the provisions of FSS Act, 2006 all of which must be complied with by the Food Business Operator(FBO).

Place : PURI (EXCEPT MUNICIPALITY)
Date of Issue : 26/03/2020
Period of Validity : 25/03/2021

Designated officer/Food Safety Officer

Validation And Renewal

Grant / Renewal date	Period of validity	Registration Fee details	Signature of Registering Authority
26/03/2020	1 Year(s)	100 INR	

* Report one month before expiry date

के आस-पास एकीकृत जलजंतुपालन पर एक लिंग संवेदी प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया जिससे महिलाओं को शामिल करते हुए ग्रामीण जलजंतुपालन में शामिल विस्तार कर्मियों और अनुसंधान कर्मियों का मार्गदर्शन किया जा सके। जलजंतुपालन प्रबंधन, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों तथा सरकारी योजनाओं पर 'होमस्टेड एक्वाकल्चर' वाट्सऐप समूह के माध्यम से मोबाइल आधारित परामर्श भी दिए गए।

'मछली का मूल्यवर्धन: ओडिशा में ग्रामीण महिलाओं के लिए एक सक्षम आजीविका विकल्प' पर डीएसआईआर की निधि सहायता प्राप्त परियोजना

तनुजा एस. और जे. चार्ल्स जीवा

ओडिशा के पुरी जिले की 200 मछुआरिनों (स्वयं सहायता समूह की सदस्यों) का मछली के मूल्यवर्धन में सफल उद्यमी के रूप में उभरने के लिए उनके कौशल तथा प्रबंधन पर प्रशिक्षण देने हेतु क्षमता निर्माण के उद्देश्य से एक परियोजना शुरू की गई। कानामाना गांव, अस्तरंगा से 12 मास्टर प्रशिक्षकों के एक समूह को चुना गया। ये दो स्वयं सहायता समूहों नामत: विश्व भारती मां और मां मंगला नामक स्वयं सहायता समूह के थे। कानामाना गांव, अस्तरंगा के चुने हुए मास्टर प्रशिक्षकों ने 17 फरवरी 2020 को भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. के स्थापना दिवस एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के स्तर पर आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया। उन्हें संस्थान के स्थापना दिवस से संबंधित अनुसंधान-विस्तार-किसान पारस्परिक चर्चा बैठक में भाग लेने का भी अवसर प्रदान किया गया। उन्होंने प्रदर्शनी के दौरान पायलट आधार पर मूल्यवर्धित मछली के उत्पाद के प्रथम बैच की बिक्री करके 1,650 रुपये का राजस्व अर्जित किया। मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन से हुए क्षमता निर्माण के आधार पर अस्तरंगा के कानामाना गांव की विशिष्ट पहचान निर्धारित की गई। यह सिफारिश की गई कि बाजार में इन खाद्य उत्पादों की बिक्री के लिए एक एफएसएसएआई

Kanamana, Astaranga. As FSSAI license number is a must for sale of food products in the market, an online application was submitted and FSSAI license number has been obtained in the month of March 2020 (FSSAI no 22020026000056).

REVIEW MEETINGS

RAC Review Meeting of AICRP on Home Science

The ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar in collaboration with All India Coordinated Research Project on Home Science, PJTSAU Centre, Hyderabad organized the "RAC Review Meeting of AICRP on Home Science" at Hyderabad on 19 December, 2019. Dr. V.N. Sharada, RAC Chairman and Former Member, Agricultural Scientists Recruitment Board regarded the meeting as one of the mandates of RAC recommendations for visiting the AICRP Centres to critically examine the working and functioning patterns. He urged the 13 AICRP-Home Science Centres to work with holistic approach and with a wider perspective by covering 20 agro-ecological regions covering all states. He insisted on assessment of all the government programmes at state and central level by the AICRP Centres and have linkages with all the line departments for establishing the national status. He advised for thinking macro and acting micro for the better performance and greater impact.

Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar urged all the AICRP Centres for contributing as per the ICAR-CIWA's mandate. He also emphasized on carrying out the responsibilities of Technical and Unit Coordinator in coordination for representing the AICRP Centres' achievements in a holistic manner. He also stressed on recommending

लाइसेंस संख्या अनिवार्य रूप से होनी चाहिए और इस आधार पर मार्च 2020 में एफएसएसएआई लाइसेंस संख्या प्राप्त की गई (एफएसएसआई सं. 22020026000056)।

समीक्षा बठक

गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की समीक्षा बैठक

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, पीजेटीएसएयू केन्द्र, हैदराबाद के सहयोग से 19 दिसम्बर 2019 को हैदराबाद में 'गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी की आरएसी समीक्षा बैठक' आयोजित की गई। डॉ. वी. एन. शारदा, आरएसी अध्यक्ष तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पूर्व सदस्य को एआईसीआरपी केन्द्रों के दौरे के लिए आरएसी की सिफारिशों की आलोचनात्मक जांच का कार्यभार सौंपा गया तथा उन्हें इसकी कार्य प्रणाली की समीक्षा करने का भार भी दिया गया। बैठक में उन्होंने एआईसीआरपी-गृह विज्ञान के 13 केन्द्रों से सम्पूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए देश के सभी राज्यों में 20 कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों के लिए व्यापक संदर्भ में परिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने एआईसीआरपी केन्द्रों द्वारा राज्य तथा केन्द्र स्तर पर सरकार के सभी कार्यक्रमों का मूल्यांकन करने और राष्ट्रीय स्तर पर पारिस्थितिक सम्पर्क स्थापित करने के लिए सभी संबंधित विभागों में ताल-मेल बनाए रखने पर बल दिया, ताकि एआईसीआरपी केन्द्रों का निष्पादन एवं प्रभाव और बेहतर हो।

डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. ने सभी एआईसीआरपी केन्द्रों से संस्थान के अधिदेश के अनुसार अपने-अपने योगदान देने का अनुरोध किया। उन्होंने परिपूर्ण रूप से एआईसीआरपी केन्द्रों के प्रतिनिधित्व हेतु तकनीकी तथा इकाई समन्वयकों के उत्तरदायित्वों में समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। उन्होंने और अधिक उद्देश्यपूर्ण ढंग से परियोजना की गतिविधियों को चलाने

the better planning in terms of technology application, entrepreneurial development and market linkage to make the project activities more purposeful. At the outset, Dr. Lipi Das, Nodal Officer, AICRP on Home Science highlighted the importance of the meeting with the RAC members for getting the constructive ideas to restructure the AICRP on Home Science into AICRP on Women in Agriculture. The members also visited the Tollukatta Village, Moinabad Mandal, Rangareddy District to review the field level work and directly interacted with the women farmers.

MAJOR EVENTS

Institute-Industry-Stakeholders Interface

The Institute organized an Institute-Industry-Stakeholders Interface on "Development of Gender Sensitive Entrepreneurship Model through Institute-Industry-Stakeholders Linkage on Convergence Mode" under ICAR funded Extramural Project on 22 January, 2020. Dr. Narendra Singh Rathore, Hon'ble VC, MPUAT, Udaipur and Former DDG (Agril. Education), ICAR, New Delhi graced the occasion as Chief Guest. Dr. Rathore during his presidential address emphasized the importance of such Interface meeting in bridging the gap between women farmers and entrepreneurship development. Dr. Lipi Das, Pr. Scientist and PI of the Project welcomed all the delegates and elaborated the purpose of the Interface and also presented the achievements under the above Project. The Director of the Institute, Dr. S. K. Srivastava, during his address emphasized on the potential role of women farmers in bringing revolution in agriculture and allied sectors. The programme was attended by personnel from various Govt. and private organizations viz., APICOL, OMFED, OFMRDC, Milk Mantra Dairy Industry, Kamal Enterprises, Art of Organic and Unicus Engineers Pvt. Ltd.; financial institution like NABARD; NGOs like NIGAM, PRADAN; Women Farmer Groups and Producer Organizations viz., Women Group OMFED, Ananya Mahila Bikas Samiti, Paschimeswar WFPO and Women Group ICARDA. The Interface offered opportunities for several stakeholders to share their experiences, success stories and constraints perceived in the journey of building up the enterprise. The developing women groups interested to initiate the venture in dairy, horticulture and farm implement

के लिए प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग, उद्यमशीलता संबंधी विकास और बाजार सम्पर्क के संदर्भ में बेहतर ढंग से योजना बनाने की सिफारिशों पर भी बल दिया। बैठक के आरंभ में डॉ. लिपि दास, नोडल अधिकारी, गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ने कृषिरत महिलाओं पर एआईसीआरपी में गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के पुनर्गठन पर सदस्यों के रचनात्मक विचार जानने के लिए आरएसी के सदस्यों के समक्ष बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला। समिति के सदस्यों ने महिला किसानों के साथ पारस्परिक प्रत्यक्ष चर्चा करने और खेत में किए जा रहे उनके कार्यों की समीक्षा के लिए रंगा रेड्डी जिले के मोइनाबाद मंडल के टोलुकट्टा गांव का दौरा भी किया।

प्रमख कायक्रम

संस्थान-उद्योग – हितधारकों की पारिस्थितिक चर्चा बैठक

संस्थान द्वारा 22 जनवरी 2020 को बाह्य निधि सहायता प्राप्त भा.कृ.अनु.प. की एक्स्ट्राम्यूरल परियोजना के अंतर्गत 'संकीर्णन मोड पर संस्थान–उद्योग-हितधारकों के सम्पर्क के माध्यम से लिंग संवेदी उद्यमशीलता मॉडल के विकास' पर संस्थान-उद्योग-हितधारकों की परिचर्चा बैठक आयोजित की गई। डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर, माननीय कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर तथा पूर्व उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान डॉ. राठौर ने कृषिरत महिलाओं, महिला किसानों तथा उद्यमशीलता के विकास के बीच मौजूद अंतराल को पाटने के लिए इस प्रकार की परिचर्चा बैठक के महत्व पर बल दिया। डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना अन्वेषक ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए परिचर्चा बैठक के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला और उपरोक्त परियोजना की गतिविधियां प्रस्तुत कीं। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कृषि एवं संवर्धित क्षेत्रों में क्रांति लाने में खेतिहर महिलाओं की सक्षम भूमिका पर बल दिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी तथा निजी संगठनों नामत: एपिकॉल, ओम्फेड, ओएफएमआरडीसी, मिल्क मंत्र डेरी इंडस्ट्री, कमल एंटरप्राइजिस, आर्ट ऑफ ऑर्गेनिक एंड यूनिकस इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड; वित्तीय संस्थानों जैसे नाबार्ड, स्वयं सेवी संगठनों जैसे निगम,प्रदान; महिला कृषक समूहों का उत्पादक संगठनों जैसे महिला समूह ओएमएफईडी, अनन्य महिला बिकास समिति, पश्चिमेश्वर डब्ल्यूएफपीओ और महिला समूह 'इकार्डा' ने भाग लिया। इस परिचर्चा से विभिन्न हितधारकों को अपने अनुभव, सफलता की गाथाओं और उद्यम निर्माण की यात्रा में उनके समक्ष आई बाधाओं पर चर्चा करने का अवसर प्राप्त हुआ। डेरी, बागवानी जैसे उद्यम शुरू करने तथा फार्म औजारों पर आधारित उद्यम आरंभ करने

based enterprise got first hand exposure in setting up their business. Such Interface meeting among all stakeholders enabled in paving the pathway towards development of a model, "A sustainable Gender Sensitive Entrepreneurship Model in dairy, horticulture and farm implement based enterprises in convergence mode". At the end, Dr. B. Sahoo, Pr. Scientist and Co-PI of the project offered the vote of thanks.

Technology Demonstration Mela & Foundation Day

The Institute celebrated its Foundation Day on 17 February, 2020. On this occasion, a series of activities were organized *viz;* (i) Foundation Day Lecture (ii) Technology Demonstration Mela (iii) Inauguration & Prize distribution to progressive farmwomen (iv) Scientists-Farmer Interface (v) Cultural evening at ICAR-CIWA. The Foundation Day lecture was delivered by the Chief Guest, Dr. P. K. Agarwal, Vice Chancellor OUAT, Bhubaneswar. Dr. Khageswar Pradhan, Ex-VC, OUAT & RAU Bikaner, and Dr. Krishna Srinath, Former Director ICAR-CIWA were the Guests of Honour. Dr. Jyoti Nayak, Nodal Officer, Foundation Day welcomed the dignitaries and participants. The Director of the Institute, Dr. S. K. Srivastava welcomed all the dignitaries and participants. In his welcome address, he highlighted the various achievements of the Institute during the year 2019-20 and emphasized on the contribution of ICAR-CIWA towards the empowerment of women and enhancement of economic and nutritional securities of farm families through its extensive research and extension activities. Dr. P. K. Agarwal, during his address emphasized that women play significant and crucial role in agricultural development and allied fields and are the most important productive work force in the Indian economy. Dr. Krishna Srinath, Former Director, ICAR-CIWA,

वाले महिला समूह विकसित करने जैसे विषयों पर भी इस परिचर्चा बैठक में ज्ञान उपलब्ध कराया गया। इस प्रकार की परिचर्चा बैठकों से सभी हितधारकों के लिए 'संकीर्णन मोड में उद्यमों पर आधारित डेरी, बागवानी तथा फार्म औजारों के संबंध में एक टिकाऊ लिंग संवेदी उद्यमशीलता मॉडल' विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। अंत में डॉ. बी. साहू, प्रधान वैज्ञानिक तथा परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला एवं स्थापना दिवस

संस्थान में 17 फरवरी 2020 को स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अनेक गतिविधियां आयोजित हुईं जैसे : i) स्थापना दिवस व्याख्यान, ii) प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला, iii) उद्घाटन एवं प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं को पुरस्कार वितरण, iv) वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा और v) भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. में सांस्कृतिक संध्या। मुख्य अतिथि डॉ. पी.के. अग्रवाल, कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। डॉ. खगेश्वर प्रधान, पूर्व कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर; तथा डॉ. कृष्णा श्रीनाथ, पूर्व निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. सम्मानीय अतिथि थे। डॉ. ज्योति नायक, नोडल अधिकारी, स्थापना दिवस ने महानुभावों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया। संस्थान के निदेशक, डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने भी प्रतिभागियों तथा महानुभावों का स्वागत करते हुए अपने उद्घाटन भाषण में सभी उपस्थित जनों को वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया तथा महिलाओं के सशक्तिकरण और गहन अनुसंधान व विस्तार गतिविधियों के माध्यम से किसान परिवारों की आर्थिक दशा को सुधारने और उन्हें पोषणिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ महिलाओं के सशक्तिकरण में भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. के योगदानों को भी उजागर किया। डॉ. पी.के. अग्रवाल ने अपने भाषण में इस तथ्य पर बल दिया कि महिलाएं कृषि विकास तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में उल्लेखनीय और महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और वे भारतीय अर्थव्यवस्था में सर्वाधिक महत्वपूर्ण उत्पादक कार्य बल हैं। भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. की पूर्व निदेशक डॉ. कृष्णा श्रीनाथ ने संस्थान के स्तर पर स्थापना दिवस

highlighted the importance of celebration of Foundation Day at institute level. Dr. Khageswar Pradhan, Ex-VC, OUAT & RAU Bikaner, in his address advised to celebrate the Foundation Day in a national level, so that farm women from different state will participate and realize the work of ICAR-CIWA for their upliftment. The function was attended by 150 farm women from the Institute project villages and an NGO, Dalit Vikas Samitti covering Puri, Cuttack, Ganjam and Jagatsinghpur districts of Odisha.

The Technology Demonstration Mela was also organized and was inaugurated by the Chief Guest and Guest of Honour including other dignitaries. Technology Mela offered a platform to the farm women to know about various drudgery reducing women friendly small tools and equipments and technologies. Technology Demonstration Mela was coordinated by Er. Chaitrali S. Mhatre, Scientist & PI, AICRP on Ergonomics and Safety in Agriculture. A Scientists-Farmer Interface was organized in the presence of former colleagues of the Institute viz., Dr. Krishna Srinath, Dr. M. Srinath, Dr. Suman Agarwal, and Mr. S. Mishra, MD, HTPL private limited and Director & Staff of the Institute. On this occasion, 12 progressive farm women were also felicitated for their outstanding contributions. The formal vote of thanks was proposed by Dr. Jyoti Nayak, Principal Scientist and Nodal Officer of Foundation Day programmes.

CELEBRATION OF NATIONAL DAYS

Mahila Kisan Diwas

Mahila Kisan Diwas was celebrated at ICAR - Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar on 15 October, 2019. Dr. P. K. Agarwal, Hon'ble Vice-Chancellor of OUAT, Bhubaneswar graced the occasion as the Chief Guest. In his address, he said that proper structural, functional and institutional measures are to be promoted to empower women, to build their abilities and to increase their access to input,

मनाए जाने के महत्व पर प्रकाश डाला। ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. खगेश्वर प्रधान ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापना दिवस मनाने का परामर्श दिया, ताकि विभिन्न राज्यों की खेतिहर महिलाएं इसमें भाग ले सकें और यह जान सकें कि उनके उत्थान में भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. ने क्या-क्या महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इस कार्यक्रम में संस्थान के परियोजना गांवों तथा स्वयं सेवी संगठन, दलित विकास समिति से आई 150 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। ये महिलाएं मुख्य रूप से ओडिशा के पुरी, कटक, गंजम और जगतसिंहपुर जिलों की थीं।

इस अवसर पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला भी आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि तथा अन्य महानुभावों सहित सम्मानीय अतिथियों ने किया। इस प्रौद्योगिकी मेला से महिलाओं का श्रम कम करने वाले उनके लिए अनुकूल छोटे औजारों, उपकरणों एवं प्रौद्योगिकियों के बारे में जानने का एक मंच उपलब्ध हुआ। इस प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेले का समन्वयन कृषि में बल विज्ञान एवं सुरक्षा पर एआईसीआरपी की वैज्ञानिक एवं प्रधान अन्वेषक, इंजीनियर चैत्राली एस. म्हात्रे द्वारा किया गया। संस्थान के पूर्व सहकर्मियों नामत: डॉ. कृष्णा श्रीनाथ, डॉ. एम. श्रीनाथ, डॉ. सुमन अग्रावाल और डॉ. एस. मिश्रा, प्रबंध निदेशक, एचसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड तथा संस्थान के निदेशक और स्टाफ की उपस्थिति में एक वैज्ञानिक एवं कृषक परिचर्चा भी आयोजित की गई। इस अवसर पर 12 प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं को उनके उल्लेखनीय योगदानों के लिए सम्मानित भी किया गया। डॉ. ज्योति नायक, प्रधान वैज्ञानिक तथा स्थापना दिवस कार्यक्रमों की नोडल अधिकारी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन

महिला किसान दिवस

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 15 अक्तूबर 2019 को महिला किसान दिवस मनाया गया। ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी कृषि विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के माननीय कुलपति, डॉ. पी.के. अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उचित संरचनात्मक, कार्यात्मक और संस्थागत उपाय अपनाए जाने चाहिए; निवेशों तक उनकी पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ उनकी क्षमता का निर्माण किया जाना चाहिए

technology and other agricultural resources. The programme was presided over by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. About 200 farm women from different parts of Odisha and also from Valsad, Gujarat participated in the programme. They participated with enthusiasm in various competitions organized as part of the celebration. Scientists-Farmwomen interface was also organized in which various technical queries on agriculture and allied sectors were answered. Progressive farm women and prize winners were also felicitated during the programme. Dr. Lipi Das, Pr. Scientist and Nodal, Mahila Kishan Diwas and Dr. J. Charles Jeeva, Pr. Scientist and Co-Nodal, Mahila Kisan Diwas coordinated the programme

World Food Day

ICAR-CIWA celebrated "World Food Day" on 16 October, 2019 in collaboration with IPE Global Ltd. The theme of the programme was 'Our Actions are Our Future - Healthy Diets for a Zerohunger World'. Director of the Institute, Dr. S. K. Srivastava, graced the programme as Chief Guest. He highlighted the crucial role of farmwomen in maintaining family food and nutrition security. As Guest of Honour, Shri. Nabaghan Ojha, State Team Leader, IPE Global Ltd., graced the occasion and highlighted the activities of the organization towards achieving the SDGs related to no poverty, zero hunger and climate change. On the occasion of World Food Day, a farmer-scientist interface was organized where in subject matter experts from ICAR-CIWA interacted with farmwomen on different women friendly technologies and its potential in doubling the farmers income and thereby reducing hunger. About 10 progressive women farmers from Kendujhar district and 30 farmers (men and women) from Bhubaneswar, Khordha district of Odisha, participated in the programme. the programme was coordinated by Dr. Ananta Sarkar, Senior Scientist

तथा प्रौद्योगिकी व अन्य कृषि संसाधन उनकी पहुंच में लाए जाने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने की। ओडिशा के विभिन्न भागों तथा गुजरात के वलसाड से आयी लगभग 200 खेतिहर महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने इस समारोह में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों व खेतिहर महिलाओं की परिचर्चा भी आयोजित की गई जिसमें खेतिहर महिलाओं की कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न तकनीकी समस्याओं का समाधान भी किया गया। प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं तथा पुरस्कार विजेता महिलाओं को भी इस कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया। डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक एवं महिला किसान दिवस की नोडल अधिकारी और डॉ. जे. चार्ल्स जीवा, प्रधान वैज्ञानिक एवं सह-नोडल अधिकारी, महिला किसान दिवस ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया।

विश्व खाद्य दिवस

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. में 16 अक्तूबर 2019 को आईपीई ग्लोबल लिमिटेड के सहयोग से 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'क्षुधाहीन विश्व बनाने के लिए स्वस्थ आहार – हमारे कार्य ही हमारा भविष्य हैं' था। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। उन्होंने पारिवारिक खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षा बनाए रखने में खेतिहर महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राज्य दल अग्रणी, जीपीई ग्लोबल लिमिटेड श्री नबघन ओझा सम्मानीय अतिथि थे। उन्होंने निर्धनता रहित, क्षुधा रहित देश तथा जलवायु परिवर्तन से संबंधित स्थितियों से निपटने की दिशा में अपने संगठन की गतिविधियों के बारे में बताया। विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा भी आयोजित की गई जिसमें आईसीएआर-के.कृ.म.सं. के विषय-वस्तु विशेषज्ञों ने महिलाओं के लिए उपयुक्त विभिन्न प्रौद्योगिकियों, और किसानों की आय दुगुनी करने में उनकी क्षमता के कारण भूख को मिटाने जैसे विभिन्न विषयों पर खेतिहर महिलाओं के साथ चर्चा की। इस अवसर पर केंदुझार जिले से आई लगभग 10 प्रगतिशील महिला किसानों तथा ओडिशा के भुवनेश्वर और खोर्धा जिले से आए 30 किसानों (महिला और पुरुषों) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का समन्वयन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त सरकार ने किया।

Vigilance Awareness Week-2019

ICAR-CIWA, Bhubaneswar observed the Vigilance Awareness Week-2019 from 28 October to 2 November, 2019 with a theme of "Integrity- A Way of Life". Dr. S.K. Srivastava, Director ICAR–CIWA administered the vigilance pledge to all the staff members and explained the importance of the event. A seminar talk on the theme was given by Dr. P. Nanda, Principal Scientist & Vigilance Officer, ICAR-IIWM, Bhubaneswar. The scientists, administrative and technical staff of the Institute participated in the pledge and seminar on 28 October, 2019. For sensitization of public on Vigilance Awareness Week, Walkathon and formation of Human Chain was organized on 29 October 2019 by the staff of the Institute. Quiz and debate competition among the staff were held in the Institute on 1 November, 2019. The valedictory function was organized on 2 November, 2019 with the welcome address by Smt. Geeta Saha, Co-Organizer of VAW. Dr. S. K. Srivastava in his address emphasized that integrity of individual and organization has a core value for national development.

Constitution Day and Citizens' Duties Campaign

The Institute observed the Constitution Day & Citizens' Duties Campaign from 26 November, 2019. The programme was attended by the scientific, technical, administrative, supporting staff, RA's, SRF's and contractual staff of the Institute. The Preamble to the Constitution of India was read out by the Director, which was recited by all the participants. Flyers regarding Constitution day and fundamental duties were also distributed to the participants. A rally including all the staff, focused on the Citizens' Duties, was organised on the occasion. Awareness campaign among rural women and school students on fundamental duties was organized on 19 December, 2019 and 17 January, 2020 respectively. An invited lecture on important constitutional amendments and its significance was arranged for the benefit of

सतकता जागरूकता सप्ताह-2019

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर में 'सत्यनिष्ठा – एक जीवनशैली' उद्देश्य के साथ 28 अक्तूबर से 2 नवम्बर 2019 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2019 मनाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने स्टाफ के सभी सदस्यों को सतर्कता की शपथ दिलाई तथा सभी को इसके महत्व के बारे में बताया। भा.कृ.अनु.प.-आईआईडब्लयूएम के प्रधान वैज्ञानिक एवं सतर्कता अधिकारी डॉ. पी. नंदा ने इस मुख्य विषय पर एक सेमिनार वार्ता प्रस्तुत की। संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, प्रशासनिक तथा तकनीकी स्टाफ ने 28 अक्तूबर 2019 को सतर्कता की शपथ लेते हुए इस सेमिनार में भाग लिया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर जन-सामान्य को 29 अक्तूबर 2019 को संवेदी बनाने के लिए संस्थान के स्टाफ ने मानव श्रृंखला बनाई। 1 नवम्बर 2019 को संस्थान के स्टाफ के लिए प्रश्न-मंच तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह 2 नवम्बर 2019 को आयोजित किया गया जिसमें वीएडब्ल्यू की सह-संयोजक श्रीमती गीता शाह ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने इस तथ्य पर बल दिया कि वैयक्तिक तथा संगठन की सत्यनिष्ठा का राष्ट्रीय विकास में सर्वाधिक मूल्य है।

सविधान दिवस एव नागरिक कतव्य अभियान

संस्थान में 26 नवम्बर 2019 से संविधान दिवस एवं नागरिक कर्तव्य अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, सहायी कर्मचारी, अनुसंधान सहायकों, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येताओं और संविदा स्टाफ ने भाग लिया। भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठ निदेशक महोदय ने किया जिसे उनके साथ सभी प्रतिभागियों ने दोहराया। संविधान दिवस तथा मौलिक अधिकारों से संबंधित प्रपत्र भी प्रतिभागियों के बीच बांटे गए। नागरिकों के कर्तव्यों पर ध्यान आकर्षित करते हुए इस अवसर पर स्टाफ के सभी सदस्यों की रैली निकाली गई। दिनांक 19 दिसम्बर 2019 तथा 17 जनवरी 2020 को क्रमश: ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान और विद्यालय के छात्रों के लिए मौलिक अधिकारों पर जागरूकता अभियान आयोजित किए गए। दिनांक 20 फरवरी 2020 को भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. के स्टाफ के लाभ के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक सुधारों तथा इसके

the staff of ICAR-CIWA on 20 February, 2020. Prof. Y.P. Singh, Professor of Law and Registrar of the National Law University Odisha (NLUO), Cuttack delivered the lecture. The programme was co-ordinated by Dr. Tanuja S, Scientist & Nodal officer, Constitution Day and Citizens' Duties assisted by Shri B.C. Sahu, Technical Officer and Shri Atul Chetan Hemrom, Senior Technical Assistant.

Women in Agriculture Day

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar observed Women in Agriculture Day on 4 December, 2019 at Ali Pingala Village, Chamarpada Panchayat, Nimapada block of Puri district. During this occasion, Quiz, Rangoli and debate competitions on 'Effect of climate change on agriculture' were organized. A total of 150 farm women participated in the programme. A farmer-scientist interface was organized and Dr. Biswanath Sahoo advised the dairy farm women to take up fodder cultivation. During the programme Er. Chaitrali S. Mhatre demonstrated various drudgery recuing tools and harvest bag to women farmers. The Chief Guest of the programme, Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar interacted with the women farmers. At the end of the programme, the winners of various competitions were awarded with suitable prizes and certificates. This programme was coordinated by the Nodal Officer Ms Gayatri Moharana and Co Nodal Officer Er Chaitrali S. Mhatre with the other team members Mrs Geeta Saha, Er. Pragati Kishore Rout, Er Subrat K. Das and Mrs Usharani Maradana.

World Soil Health Day

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar celebrated World Soil Health Day on 5 December, 2019 at village Kharibili of Niali Block, Cuttack District, Odisha where farmers are mostly involved in production of pulses like green gram, black gram, arhar, lathyrus and horse gram. The celebration

महत्व पर एक आमंत्रित व्याख्यान भी दिया गया। यह व्याख्यान ओडिशा के कटक के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयूओ) के विधि के प्राध्यापक एवं कुलसचिव द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. तनुजा एस. वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी संविधान दिवस एवं नागरिक कर्तव्य कार्यक्रम थीं जिनकी सहायता श्री बी. सी. साहू, तकनीकी अधिकारी और श्री अतुल चेतन हेमरॉम, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने की।

कषिरत महिला दिवस

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर द्वारा 4 दिसम्बर 2019 को ओडिशा के पुरी जिले के नीमापाड़ा ब्लॉक के चामरपाडा पंचायत के अंतर्गत आने वाली अली पिंगाला गांव में कृषिरत महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता के अतिरिक्त 'प्रश्न-मंच एवं रंगोली' प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कुल 150 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा भी आयोजित हुई जिसमें डॉ. विश्वनाथ साहू ने डेरी में कार्य करने वाली महिलाओं को चारे की खेती करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे ने महिला किसानों के समक्ष उनके श्रम को कम करने वाले विभिन्न औजारों तथा फसल कटाई थैले का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने महिला किसानों के साथ चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को उचित पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम का समन्वयन नोडल अधिकारी सुश्री गायत्री महराना और सह नोडल अधिकारी इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे ने दल के अन्य सदस्यों नामत: श्रीमती गीता शाह, इंजीनियर प्रगति किशोर राउत, इंजीनियर सुब्रत के. दास और श्रीमती उषारानी मर्दाना के साथ किया।

विश्व मदा स्वास्थ्य दिवस

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर द्वारा 5 दिसम्बर 2019 को ओडिशा के कटक जिले के नियाली ब्लॉक के खारी बिल्ली गांव में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस आयोजित किया गया जिसमें मूंग, चना, अरहर, चटरी (लेथाइरस) और कुलथी जैसी दलहनों के उत्पादन में शामिल किसानों ने भाग लिया। यह समारोह मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम दल-II के अंतर्गत आयोजित

was organized under Mera Gaon Mera Gaurav programme team II. In this programme, more than 100 farm women participated. Mr Ramakanta Mohapatra, Ex-Sarpanch, Eranch Panchayat graced the programme as Chief Guest. Dr. Anil Kumar, Principal Scientist (LPM) adviced the women to cultivate hybrid napier grass in the derelict lands for soil conservation and more nutrition for the livestock. Dr. Sabita Mishra, Principal Scientist mobilized the farm women through innovative extension approaches. Dr. Laxmipriya Sahoo, Senior Scientist and Nodal Officer for World Soil Day celebration, answered the gathering's queries on soil and farm and explained the remedial measures to recover less fertile soils. Sri. Debendra Nath Sadangi, Technical Officer, Sri. Manoranjan Prusty, Technical Officer and Mrs. Usharani Maradana, Technical Assistant managed the programme and explained the farmwomen on different aspects of pulse farming, horticulture and fodder cultivation. Demonstration of seed treatment with Rhizobium was given by the team. Various central government sponsored soil health schemes was also explained to them for their awareness.

किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। एरांच पंचायत के पूर्व सरपंच श्री रमा कांत महापात्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ. अनिल कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, (एलपीएम) ने मृदा के संरक्षण के साथ-साथ पशुओं को और अधिक पोषण उपलब्ध कराने के लिए अल्प अपघटित भूमियों पर संकर नेपियर घास की खेती करने का परामर्श दिया। डॉ.सबिता मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक ने नई-नई विस्तार युक्तियों के माध्यम से खेतिहर महिलाओं को और अधिक प्रेरित किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा विश्व मृदा दिवस समारोह की नोडल अधिकारी डॉ. लक्ष्मी प्रिया साहू ने उपस्थित लोगों के मृदा से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिया तथा कम उपजाऊ मिट्यिों को सुधारने से संबंधितसुधारात्मक उपायों के बारे में बताया। श्री देवन्द्र नाथ सादंगी, तकनीकी संबंधित सुधारात्मक अधिकारी. श्री मनोरंजन प्रुस्ति, तकनीकी अधिकारी और श्रीमती उषा रानी मृदाना, तकनीकीस्टाफ ने कार्यक्रम का समन्वयन किया तथा खेतिहर महिलाओं को दल हनों की खेती, बावागनी और खरे की खेती के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। दल के द्वारा राइज़ोबियम के साथ बीजोपचार की तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया। केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित मृदा स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं की भी व्याख्या की गई ताकि उपस्थित जन-स्वास्थ्य को इस पहलू पर जागरूक बनाया जा सके।

Kisan Diwas

The ICAR - Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar celebrated Kisan Diwas on 23 December, 2019, as a part of the ongoing campaign on Swachhta Pakhwada being observed during 16-31 December, 2019. Kisan Diwas is observed on 23 December every year, in the honour of the former Prime Minister of India, Chaudhary Charan Singh Ji who always took up the cause of farmers in India. The programme was inaugurated by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA and the Chief Guest of the occasion. He stressed upon the

किसान-दिवस

भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 16-31 दिसम्बर 2019 के दौरान मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के एक अंग के रूप में 23 दिसम्बर 2019 को किसान दिवस आयोजित किया गया। यह किसान दिवस प्रतिवर्ष 23 दिसम्बर को भारत के पूर्व माननीय प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिवस के अवसर पर उनके सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने सदैव भारत के किसानों की चिंता की थी। इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ एस. के. श्रीवास्तव ने किया जो इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भी थे। उन्होंने खेती से निकलने वाले कचरे के पुनश्चक्रण के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकी विकल्प

different technological options for recycling of farm wastes. Smt. Tapaswini Mohanty, a progressive farmwoman from Majhihara village of Balipatna block was the Guest of Honour who emphasised the importance of Government support to farm women towards enhancement of their livelihood. During the celebration, progressive farm women from Balipatna block, field workers and sanitary workers of ICAR-CIWA were felicitated. About 120 farm women/ farmers participated in the programme covering Majhihara and Guapur villages of Balipatna block in Khordha district.

हिन्दी म सयक्त बज्ञानिक सगोष्ठी

आज के युग में विज्ञान के ज्ञान को जनसाधारण तक पहुँचाना बेहद जरुरी है | जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान बसे हुए है | भारत ने विज्ञान द्वारा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आशातीत प्रगति की है | भारत जैसे विशाल समुदाय देश में बैज्ञानिक जानकारियौ को जनप्रिय भाषा में समझाने के लिए राजभाषा हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसके माध्यम से बैज्ञानिक उपलाब्धियों को जन - जन तक सफलतापूर्वक पहुचाने का कार्य के लिए भुबनेश्वर स्थित : भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, जीव विज्ञान संस्थान, भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, सीएसआइआर- खनिज एवं पदार्थ प्रौधोगिकी संस्थान, भौतिकी संस्थान, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के संयुक्त प्रयास से एक " हिंन्दी में संयुक्त बैज्ञानिक संगोष्ठी "की आयोजन किया गया | जिसका शीर्षक – "जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव को रोकने में बैज्ञानिक तथा तकनिको संस्थानों की भूमिका " थी | इस संगोष्ठी 10 जनवरी 2020 विश्व हिंन्दी दिवस के अबसर पर सभी संस्थान के निदेशको के उपस्थित में जीव विज्ञान संस्थान में शुभारम्भ समारोह किया गया | इस संगोष्ठी में प्रति संस्थान से दो बैज्ञानिक वक्ता ने उपरोक्त शीर्षक से अपने अपने वक्तव्य हिंन्दी में प्रस्तुत किए तथा सभी सात संस्थानों से बैज्ञानिक/ तकनिको कर्मचारी/ प्रशासनीक कर्मचारी ने इस संगोष्ठी में बढ़ चढ़ कर भाग लिए | सभी प्रतिभागीयो को सह-भागिता प्रमाण पत्र वितरित किया गया | सभी संस्थान के निदेशको के उपस्थित में 10 जनवरी शाम 5 बजे संगोष्ठी का समापन आयोजन किया गया | तथा समापन समारोह में सभी वक्ताओ को पुरस्कृत किया गया |

National Science Day

ICAR- Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar celebrated National Science Day on 28 February, 2020. On this occasion, Dr. Sanjay Kumar Dash, Dean, CAET, OUAT

अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर बली पाटना ब्लॉक के मांझीहारा गांव से आई एक प्रगतिशील खेतिहर महिला श्रीमती तपस्वनी मोहंती सम्मानीय अतिथि थीं जिन्होंने खेतिहर महिलाओं की आजीविका में सुधार के लिए चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं से प्राप्त होने वाली सहायता के महत्व पर बल दिया। इस आयोजन के दौरान बाली पाटना ब्लॉक से आई प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं, फील्ड कर्मियों तथा भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. के सफाई कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में खुर्दा जिले के बालीपाटना ब्लॉक के मांझहारा और बुआपुरगांवों से हाई लगभग 120 खेतिहर महिलाओं/किसानों ने भाग लिया।

हिन्दी म सयक्त वज्ञानिक सगोष्ठी

आज के युग में विज्ञान के ज्ञान को जनसाधारण तक पहुँचाना बेहद जरुरी है। जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान रचा-बसा है | भारत ने विज्ञान द्वारा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आशातीत प्रगति की है | भारत जैसे विशाल समुदाय वाले देश में वैज्ञानिक जानकारी को जनप्रिय भाषा में समझाने के लिए राजभाषा हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जिसके माध्यम से वैज्ञानिक उपलब्धियों को जन - जन तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जा सकता है। इस उद्देश्य से भुबनेश्वर स्थित : भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, जीव विज्ञान संस्थान, भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, सीएसआइआर- खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान, भौतिकी संस्थान, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के संयुक्त प्रयास से एक " हिंन्दी में संयुक्त वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की गई| जिसका शीर्षक – 'जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव को रोकने में वैज्ञानिक तथा तकनीकी संस्थानों की भूमिका " था| यह संगोष्ठी 10 जनवरी 2020 को सभी संस्थानों की उपस्थिति में आयोजित हुई। इसका उद्घाटन जीवविज्ञान संस्थान में हुआ। इस संगोष्ठी में प्रति संस्थान से दो वैज्ञानिक वक्ताओं ने उपरोक्त शीर्षक पर अपने-अपने वक्तव्य हिंन्दी में प्रस्तुत किए तथा सभी सात संस्थानों से वैज्ञानिक/ तकनीकी स्टाफ/प्रशासनिक कर्मचारियों ने इस संगोष्ठी में बढ़ चढ़ कर भाग लिए | सभी प्रतिभागीयो को सह-भागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सभी संस्थान के निदेशकों की उपस्थित में 10 जनवरी शाम 5 बजे संगोष्ठी का समापन आयोजन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सभी वक्ताओं को पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 28 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित किया गया। सीएईटी, ओडिशा कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के

was the Chief Guest. The programme was attended by 30 farm women from Sakhigopal block of Puri district in Odisha. Er. Chaitrali S Mhatre, Nodal Officer, delivered welcome address. She briefed about the importance of the occasion and the theme "Women in Science". Dr. Sanjay Kumar Dash stressed on the importance of science in day-to-day life. He also interacted with farmwomen by giving them household examples in which science plays an important role. Dr. S. K. Srivatsava, Director ICAR-CIWA, delivered the presidential talk. He also highlighted the role science has played for advancing the field of agriculture and the quality of life of farm women. On this occasion, summer seed kits were distributed to all the farmwomen. In the technical session, lectures on family poultry farming, nutrition and value addition of food was also organised. Interactive games were played with the women for inculcating importance of equal nutrition and group work. The successful organization of the National Science Day celebration was done by the following committee, Er. Chaitrali S. Mhatre, Nodal Officer; Dr. Tanuja, S., Co-Nodal Officer, Er. Pragati Kishore Rout, Member.

अधिष्ठाता डॉ. संजय कुमार दास इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में ओडिशा के पुरी जिले के साखीगोपाल से आयी 30 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। नोडल अधिकारी चेत्राली म्हात्रे ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस अवसर के महत्व के बारे में संक्षेप में बताते हुए, 'विज्ञान में महिलाएं' शीर्षक के मुख्य विषय पर प्रकाश डाला। डॉ. संजय कुमार दाश ने दिन-प्रतिदिन के जीवन में विज्ञान के महत्व पर बल दिया। उन्होंने खेतिहर महिलाओं के समक्ष ऐसे घरेलू उदाहरण प्रस्तुत किए जिनमें विज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान के निदेशक डॉ; एस. के.श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने कृषि के क्षेत्र में आगे बढने के लिए तथा खेतिहर महिलाओं की जीवन की गुणवत्ता सुधारने में विज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सभी खेतिहर महिलाओ को ग्रीष्मकालीन फसलों के बीज के किट भी बांटे गए। तकनीकी सत्र में पारिवारिक कुक्कुट पालन, पोषण तथा खाद्य पदार्थों के मूल्यवर्धन पर व्याख्यान भी आयोजित किए गए। समान पोषण एवं सामूहिक कार्य के महत्व को उजागर करने के लिए महिलाओं के साथ परिचर्चात्मक खेल भी खेले गए। इस राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सफल आयोजन निम्न समिति द्वारा किया गया था : इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे, नोडल अधिकारी; डॉ. तनुजा एस., सह नोडल अधिकारी; इंजीनियर प्रगति किशोर राउत, सदस्य।

International Women's Week

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar celebrated International Women's Week from 2 to 8 March, 2020. On this occasion, several activities were conducted in ICAR-CIWA, Bhubaneswar as well as 13 Centres of AICRP on Home Science spread across 12 States of India to create awareness on this year's theme "I am Generation Equality:

अतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 2 से 8 मार्च 2020 तक अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प.-के. कृ.म.सं., भुवनेश्वर तथा भारत के 12 राज्यों में स्थित गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के 13 केन्द्रों में अनेक गतिविधियां चलाई गईं, ताकि इस वर्ष के मुख्य विषय 'मैं समानता की पीढ़ी हूं: महिलाओं के अधिकारों पर जागरूकता सृजित की जा सके। इन गतिविधियों

Realising Women's Rights". During these activities, the focus was on 12 critical areas of concern committed during the Beijing Platform for Action. On 2 March 2020, a discussion on the 12 critical areas was organized in which all the staff of ICAR-CIWA participated. In the ensuing days, slogan writing, elocution, poster making, essay writing etc were conducted. The staff of ICAR- CIWA & AICRP (HS), students and farm women participated enthusiastically in them. On 8 March, 2020, Mrs. Pranati Das, Team Leader, UNDP Rural Housing Project was the Chief Guest. She congratulated ICAR-CIWA to be the only Institute working for women in agriculture. But she also insisted the need for proper dissemination of technology as in the present scenario, the benefits of the technology are skewed in men's direction. A lecture on "Work life balance: a win-win situation for employees and organisations" was delivered by Dr. Bijay Kumar Swain, (Retd.) Professor & Head, Centre for Rural Credit & Development Banking, National Institute of Rural Development, Hyderabad. A lecture on "Importance of meditation in relieving stress" was delivered by Sister B.K. Hiroj, Brahma Kumari Ishwariya Viswavidyalaya, Bhubaneswar. Dr. Tanuja, S., Nodal Officer; Er. Chaitrali S. Mhatre, Co-Nodal Officer, Er. Pragati Kishore Rout, Member coordinated the programme.

TRAINING / EXTENSION ACTIVITIES/ OUTREACH ACTIVITIES/ TECHNOLOGY TRANSFER

Name of Training	Venue	Date	No. of participants	Name of project	Coordianted by
Poultry Fair 2020	Village Nuasahi in Puri	18 January, 2020	50	Developing gender sensitive model for doubling farmers income	J. Charles Jeeva A.K. Panda Jyoti Nayak B. C. Behera Subrat Kr. Das Sanjay Ku. Behera
Training Programme on Bee-Keeping under SC Sub-Plan	ICAR-CIWA	16-17 March, 2020	9	SCSP scheme	Jyoti Nayak Tania Seth Geeta Saha Subrat Kr. Das.

के दौरान कार्य हेतु बीजिंग प्लेटफार्म पर प्रतिबद्ध विषय के 12 महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान आकर्षित किया गया। दिनांक 2 मार्च 2020 को इन 12 महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा आयोजित की गई जिसमें संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। आगामी दिनों में नारे लिखने, आशु भाषण, पोस्टर तैयार करने, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। संस्थान व गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के स्टाफ सदस्यों, छात्रों तथा खेतिहर महिलाओं ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनांक 8 मार्च 2020 को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दल अग्रणी, यूएनडीपी ग्रामीण आवास परियोजना, श्रीमती प्रणति दाश थीं। उन्होंने कृषिरत महिलाओं के लिए कार्य कर रहे एकमात्र संस्थान भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. को बधाई दी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी के उचित प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया तथा पुरुषों की दिशा में झुकी हुई प्रौद्योगिकी को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद के ग्रामीण ऋण तथा विकास बैंकिंग के राष्ट्रीय संस्थान के सेवानिवृत्त प्राध्यापक अध्यक्ष डॉ. बिजय कुमार स्वैन ने 'कार्यजीवन के लिए संतुलन - कर्मचारियों व संगठनों के लिए हर प्रकार से जीत की स्थिति' पर एक व्याख्यान दिया। इसके अलावा भुवनेश्वर स्थित ब्रह्मकुमारी ऐश्वर्य विश्वविद्यालय की भगिनी बी.के. हीरोज द्वारा 'तनाव को दूर करने में ध्यान का महत्व' विषय पर भी एक व्याख्यान दिया। नोडल अधिकारी डॉ. तनुजा एस., सह नोडल अधिकारी, इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे और इंजीनियर प्रगति किशोर राउत (सदस्य) ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

प्रशिक्षण/विस्तार गतिविधियां/संस्थान इतर गतिविधियां/प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

प्रशिक्षण का नाम	स्थान	दिनाक	प्रति भागियों की स.	परियोजना का नाम	समन्वयनकता
कुक्कुट मेला 2020	ग्राम नौशाही, पुरी	18 जनवरी, 2020	50	किसानों की आय दुगुनी करने के लिए लिंग संवेदी मॉडल का विकास	जे. चार्ल्स जीवा ए. के. पाण्डा ज्योति नायक बी. सी. बेहरा सुब्रत कुमार दास संजय कुमार बेहरा
एससी उप योजना के अंतर्गत मधु-मक्खी पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	भा.कृ. अनु.प.-के. कृ.म.सं.	16-17 मार्च, 2020	9	एससीएसपी योजना	ज्योति नायक तानिया सेठ गीता साहा सुब्रत कुमार दास

Name of Training	Venue	Date	No. of par tici pants	Name of project	Coordianted by
Capacity Building and Adoption of Technology Programme of NABARD	ICAR-CIWA	25-28 February, 2020	20	Capacity building and adoption of technology programme of NABARD	A. K. Panda Chaitrali S. Mhatre
Demonstration cum skill training of rural women on preparation of value added fish products	ICAR-CIWA	19 November, 2019	10	DSIR funded project on "Adding Value to fish: a potential livelihood option for rural women of Odisha"	Tanuja S J. Charles Jeeva
Management training of rural women on enterprise development		16 January, 2020	14		
		18 January, 2020	21		
Demonstration cum Skill training of rural women on preparation of value added fish products		14 February, 2020	10		
		17 February, 2020	10		

प्रशिक्षण का नाम	स्थान	दिनाक	प्रति भागियों की स.	परियोजना का नाम	समन्वयनकता
नाबार्ड का क्षमता निर्माण एवं प्रौद्योगिकी अनुकूलन कार्यक्रम	भा.कृ. अनु.प.-के. कृ.म.सं.	25-28 फरवरी, 2020	20	नाबार्ड का क्षमता निर्माण एवं प्रौद्योगिकी अनुकूलन कार्यक्रम	ए. के. पाण्डा चेत्राली एस. म्हात्रे
मूल्यवर्धित मछली उत्पाद तैयार करने पर प्रदर्शन एवं ग्रामीण महिलाओं का कौशल प्रशिक्षण	भा.कृ. अनु.प.-के. कृ.म.सं.	19 नवम्बर, 2019	10	'मछलियों का मूल्यवर्धन: ओडिशा में ग्रामीण महिलाओं के लिए सक्षम आजीविका विकल्प' पर डीएसआईआर की निधि सहायता प्राप्त परियोजना	तनुजा एस. जे. चार्ल्स जीवा
उद्यम विकास पर ग्रामीण महिलाओं का प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण		16 जनवरी, 2020	14		
		18 जनवरी, 2020	21		
मूल्यवर्धित मछली उत्पाद तैयार करने पर प्रदर्शन एवं ग्रामीण महिलाओं का कौशल प्रशिक्षण		14 फरवरी, 2020	10		
		17 फरवरी, 2020	10		

"Poultry Fair 2020"

"Poultry Fair 2020" was organized under the project 'Developing gender sensitive model for doubling farmers' income by addressing gender concerns and technological gaps' at Village Nuasahi in Puri district on 18 January, 2020. Dr. Jyoti Nayak, Principal Scientist briefed about the Fair, and also on health and nutrition of farmwomen and children. Dr. A.K. Panda, Principal Scientist delivered technical talk covering the subjects of housing, feeding, day-to-day management of poultry farm including vaccination, and taking up poultry farming in business mode. He also had interface with farmwomen and obtained their

Participants of the poultry fair....

'कक्कट मला 2020'

पुरी जिले के नौसाही गांव में 18 जनवरी 2020 को लिंग संबंधी चिंताओं से निपटने तथा प्रौद्योगिकी अंतरालों को पाटते हुए किसानों की आय दुगुनी करने के लिए लिंग संबंधी मॉडल का विकास शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत 'कुक्कुट मेला 2020' आयोजित किया गया। डॉ. ज्योति नायक, प्रधान वैज्ञानिक ने खेतिहर महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण का विशेष उल्लेख करते हुए मेले के बारे में संक्षेप में बताया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए.के. पाण्डा ने व्यापार के रूप में कुक्कुट पालन को अपनाने और कुक्कुट पक्षियों के टीकाकरण सहित कुक्कुटों के आवास, उनके आहार, कुक्कुट पालन फार्म के दिन-प्रतिदिन के प्रबंध जैसे विषयों पर तकनीकी वार्ता प्रस्तुत की। उन्होंने इस विषय पर खेतिहर महिलाओं से चर्चा की तथा उनसे

feedback on CIWA's technological interventions. Many farm women shared their success stories of poultry rearing and other technology adoption. About 50 farm women who received the training earlier on improved poultry rearing practices on entrepreneurship mode for additional income generation, participated in the fair, and displayed the birds. During earlier programmes, poultry chicks, feed, medicines for disease management and other infrastructural materials for poultry housing was distributed to the participants. The poultry birds had attained an average body weight of 2 kgs at 12 weeks of age, and most of the women had sold male birds, earning an income of Rs. 5000/- from selling about 20 birds. On this occasion, awareness was created about the nutritional significance of egg consumption among farmwomen and children by distributing boiled eggs to them.

केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के प्रौद्योगिकी विकल्पों पर फीडबैक भी प्राप्त किया। अनेक ग्रामीण/खेतिहर महिलाओं ने कुक्कुट पालन तथा अन्य प्रौद्योगिकियों को अपनाने से संबंधित सफलता की गाथाएं परस्पर साझा कीं। इस मेले में उन 50 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया जिन्होंने पहले अतिरिक्त आय सृजन के लिए उद्यमशीलता के रूप में कुक्कुटपालन की उन्नत विधियों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया था। मेले में पक्षियों का प्रदर्शन भी किया गया। पिछले कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को कुक्कुटों के चूजे, उनके आहार,उनके रोगों के प्रबंधन के लिए औषधियां तथा कुक्कुट पालन की दृष्टि से आवश्यक अन्य बुनियादी ढांचे संबंधी सामग्री बांटी गई थी। इस अवसर पर जो कुक्कुट पक्षी लाए गए थे उनका शारीरिक भार 2 कि.ग्रा. था और उनकी आयु 12 सप्ताह थी। अधिकांश महिलाओं ने नर पक्षी बेचे तथा 20 पक्षियों की बिक्री से 5 हजार रुपये की आय अर्जित की। इस अवसर पर खेतिहर महिलाओं व बच्चों में अंडों के उपभोग के पोषणिक महत्व के बारे में जागरूकता सृजित की गई तथा महिलाओं व बच्चों के बीच उबले हुए अंडे भी वितरित किए गए।

Improved varieties of black gram and green gram seeds were also distributed to 20 women farmers for rice fallow pulse cultivation. The programme was coordinated by Dr. J. Charles Jeeva, Sh. B. C. Behera, Er. Subrat Kr. Das and Sh. Sanjay Kumar Behera from ICAR-CIWA.

Visit of Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (DARE) & DG (ICAR)

इस अवसर पर चावल की खेती के बाद परती भूमि पर दलहनों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 20 खेतिहर महिलाओं के बीच उड़द और मूंग की उन्नत किस्मों के बीज भी बांटे गए। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. जे. चार्ल्स जीवा, श्री बी.सी. बेहरा, इंजीनियर सुब्रत कुमार दास और श्री संजय कुमार बेहरा ने किया।

PARTICIPATION OF ICAR-CIWA IN EXHIBITIONS

Participation of ICAR-CIWA in ''Inspire 2.0''

The ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA) participated in the Exhibition organized as part of the ''Confluences of Rice Ecosystem Stakeholders for Popularizing ICAR Technologies in Odisha- Inspire 2.0'' at ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack on 6th December, 2019. Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (DARE) & Director General (ICAR), New Delhi visited the CIWA pavilion and showed keen interest in knowing about the technologies

प्रदशनियों म भा.क.अन.प.-क.क.म.स. की भागदारी

'इंस्पायर 2.0' में भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. की भागेदारी

भा.कृ.अनु.प.- के.कृ.म.सं. ने 6 दिसम्बर 2019 को भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में 'ओडिशा में भा.कृ.अनु.प. की प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने के लिए चावल पारिस्थितिक प्रणाली के हितधारकों का संगम-इंस्पायर 2.0' के भाग के रूप में आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (डेयर) और महानिदेशक भा.कृ. अनु.प.), नई दिल्ली ने के.कृ.म.सं. के पवेलियन का दौरा किया तथा वहां खेतिहर महिलाओं के लिए प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों के बारे में गहन रूचि प्रदर्शित की। साथ ही उन्होंने महिला उद्यमियों के विकास हेतु संस्थान द्वारा

for farmwomen, and also about the efforts to develop women entrepreneurs. He also advised the Scientists to assess the needs of women in agriculture under different categories such as cultivators and agricultural labourers. The ICAR-CIWA team of Scientific and Technical Staff, Dr. J. Charles Jeeva, Smt. Geeta Saha and Shri. B. C. Behera, made the arrangements for showcasing the Institute's technologies in the Exhibition.

ICAR-CIWA Showcased its Technologies at Pusa Krishi Vigyan Mela 2020

ICAR-CIWA participated and put up it's exhibition stall in the Pusa Krishi Vigyan Mela 2020 at ICAR-IARI, New Delhi during 1-3 March, 2020. The ICAR-CIWA exhibition stall was put up with the display of posters, specimens, models and literature on gender-friendly technologies. More than 1000 farmers and farmwomen from different parts of India visited the pavilion, and were briefed about the research and extension activities of the Institute, its role in women empowerment and its technologies for drudgery reduction in farm and home activities, nutrition and livelihood security. The ICAR-CIWA team, consisting of Dr. J. Charles Jeeva, Mr. Manoranjan Prusty and Er. Pragati Kishore Rout participated in the exhibition and showcased the CIWA technologies.

SCHEDULED CASTES SUB-PLAN (SCSP)

Under the Scheduled Castes Sub-Plan (SCSP), the focus was on technology dissemination, capacity building of beneficiaries, input support and technology showcasing through exposure visits for the socio-economic empowerment of women in agriculture. Various interfaces and skill upgadation programmes related to agriculture and allied sectors were conducted to solve the problems faced by the farmers and also to equip them with the latest women friendly technologies. During the interfaces, the farmwomen were sensitized on various issues they confront in their day-to-day work due to their involvement in agricultural and allied activities, especially in the field of vegetable cultivation. Some of

किए जाने वाले प्रयासों को सराहा। उन्होंने वैज्ञानिकों को परामर्श दिया कि वे खेतिहरों तथा कृषि श्रमिकों जैसी विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कार्यरत खेती से जुड़ी महिलाओं की आवश्यकता का मूल्यांकन करें। वैज्ञानिक तथा तकनीकी स्टाफ के भा.कृ.अनु.प.—के.कृ.म.सं. दल ने प्रदर्शनी में संस्थान की प्रौद्योगिकियों को दर्शाने की सभी व्यवस्था की थी जिसके सदस्य डॉ. जे. चार्ल्स जीवा व श्रीमती गीता साहा और श्री बी.सी. बेहरा थे।

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2020 में भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. की प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शन

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. ने नई दिल्ली में भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा 1-3 मार्च 2020 को आयोजित पूसा कृषि विज्ञान मेला-2020 में भाग लिया और अपना प्रदर्शन स्टॉल लगाया। संस्थान के इस प्रदर्शनी स्टॉल में लिंग अनुकूल प्रौद्योगिकियों का पोस्टरों, नमूनों, मॉडलों और साहित्य के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। भारत के विभिन्न भागों से आए 1000 से अधिक किसानों और खेतिहर महिलाओं ने यह पवेलियन देखा और उन्हें संस्थान की अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों, महिला सशक्तिकरण में संस्थान की भूमिका, फार्म में खेती के दौरान श्रम को कम करने वाली प्रौद्योगिकियों और घरेलू कार्यकलापों तथा पोषणिक व आजीविका सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों के बारे में संक्षेप में बताया गया। डॉ. जे. चार्ल्स जीवा श्री मनोरंजन प्रुस्ती और इंजीनियर प्रगति किशोर राउत ने प्रदर्शनी में भाग लिया तथा के.कृ.म.सं. की प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित की।

अनसचित जाति उप-योजना (एससीएसपी)

अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के अंतर्गत कृषि में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ज्ञान में वृद्धि करने वाले भ्रमणों के माध्यम से प्रौद्योगिकी के प्रचार-प्रसार, लाभार्थियों के क्षमता निर्माण, निवेश सहायता तथा प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न पारस्परिक चर्चा बैठकें तथा कौशल उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किए गए, ताकि किसानों की समस्याओं का समाधान किया जा सके तथा उन्हें नवीनतम महिला अनुकूल प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित किया जा सके। इन परिचर्चा बैठकों के दौरान खेतिहर महिलाओं को उन विभिन्न मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाया गया जिनका सामना वे कृषि तथा सम्बद्ध गतिविधियों में शामिल होने के कारण अपने दिन-प्रतिदिन के कार्य में करती हैं। विशेष रूप से सब्जियों की खेती के क्षेत्र में उन्हें ऐसी समस्याओं का अधिक सामना करना पड़ता है। बैठक में खेतिहर महिलाओं को इन सभी से अवगत कराते हुए उनके

their queries and problems were taken up during the interfaces organized and were tried to meet through proposed technological interventions.

The activities carried out during the period include, capacity building on improved methods of paddy cultivation and varietal replacement, skill upgradation programmes on improved methods of vegetable cultivation, drudgery reducing farm tools and nutri-gardens. With the vision of doubling the income of farm families, the farmwomen from SC families were sensitized on some of the horticultural interventions like round the year vegetable cultivation, scientific management of vegetable crops and off-season vegetable production. As part of the SCSP programmes, inputs like seeds of improved varieties, farm tools and fishing nets were also distributed to the SC women beneficiaries from the project areas and adopted villages under MGMG programme. Much required awareness was created among farmwomen on drudgery and its effect and impact, for which hampers of drudgery reducing farm tools were distributed to them.

The details of various programmes carried out under the SCSP schemes are given in the following table.

S. No.	Name of the programme	Venue and Date	No of SC women benefi ciaries	Input distrib uted/ skill im parted	Organisers
1.	Farmers'-Scientists Interface on homestead nutri-garden	Kharibil village, Cutttack district on 1 October, 2019.	50	Distribution of vegetable seed kits for nuti-gardens	Anil Kumar Sabita Mishra L. P. Sahoo B. C. Behera Usharani, M.
2.	Distribution of fishing nets	ICAR-CIWA on 11 November, 2019.	20	Distribution of gill nets to SC women beneficiaries from Balidia Village, Astaranga	Tanuja, S. J. Charles Jeeva
3.	Scientists farmers interface	Majhihara, Balipatana villages, Khurda district on 29 November, 2019.	50	Distribution of vegetable seed kits and tool kits	Anil Kumar Sabita Mishra Ananta Sarkar L. P. Sahoo D. N. Sarangi B. C. Behera
4.	Distribution of seed kits and tool kits to SC women farmers of MGMG villages	Beherasahi village, Puri District on 19 December, 2019.	40	Distribution of hybrid seed kits and tool kits	Jyoti Nayak Tanuja, S. Geeta Saha
5.	Skill development training programme on Bee Keeping	ICAR-CIWA on 16-17, March, 2020 for farm women of Kadua village, Puri district	9	• Entrepreneurship development • Bee rearing and extraction of honey • Importance of vegetable cultivation in backyard	Jyoti Nayak Tania Seth Geeta Saha Subrat Kr. Das

हल सुझाए गए। आयोजित परिचर्चा बैठक के दौरान खेतिहर महिलाओं की कुछ शंकाओं और समस्याओं पर चर्चा हुई तथा प्रस्तावित प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से उन्हें हल करने का प्रयास किया गया।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान सम्पन्न की गई गतिविधियों में शामिल हैं : धान की खेती की उन्नत विधियों पर क्षमता निर्माण और किस्मों का प्रतिस्थापन, सब्जी की खेती की उन्नत विधियों पर कौशल उन्नयन कार्यक्रम, श्रम को कम करने वाले खेती संबंधी औजार तथा पोषणिक उद्यान। कृषक परिवारों की आय दुगुनी करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अनुसूचित जाति के परिवारों की खेतिहर महिलाओं को बागवानी के क्षेत्र में हुई कुछ नवीन खोजों की जानकारी दी गई, जैसे वर्षभर सब्जियों की खेती, सब्जी फसलों का वैज्ञानिक प्रबंधन और बे-मौसम सब्जी उत्पादन। एससीएसपी कार्यक्रम के एक अंग के रूप में मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना क्षेत्रों तथा गोद लिए गए गांवों की अनुसूचित जाति की महिला लाभार्थियों को महत्वपूर्ण निवेश जैसे उन्नत किस्मों के बीज, फार्म औजार व मछली पकड़ने के जाल भी बांटे गए। इसके साथ ही खेतिहर महिलाओं में खेती के दौरान लगने वाले श्रम को कम करने तथा इसके प्रभाव के बारे में जागरूक बनाया गया। इसके साथ ही उनके बीच श्रम को कम करने वाले खेती के औजार भी बांटे गए।

एससीएसपी योजनाओं के अंतर्गत चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है :

क्र. स.	कायक्रम का नाम	स्थान एव तिथि	अनसचित जाति महिला लाभाथियों की स.	वितरित निवश/कौशल उन्नयन	आयोजक
1.	वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा बैठक	खारीबिल गांव, कटक जिला 1 अक्तूबर 2019	50	पोषणिक उद्यानों के लिए सब्जी बीज किट का वितरण	अनिल कुमार सबिता मिश्रा एल. पी. साहू बी. सी. बेहरा
2.	मछली पकड़ने वाले जालों का वितरण	भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं., 11 नवम्बर 2019	20	बालिडिया गांव, अस्टरंगा जिले की अनुसूचित जाति की महिला लाभार्थियों के बीच गलफड़ा जालों का वितरण	तनुजा एस. जे. चार्ल्स
3.	वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा बैठक	माझीहारा, बालीपाटना गांव, खुर्दा जिला, 29 नवम्बर 2019	50	सब्जी बीज किट और औजार किट का वितरण	अनिल कुमार सबिता मिश्रा अनन्त सरकार एल. पी. साहू डी. एन. सारंगी बी. सी. बेहरा
4.	एमजीएमजी गांवों की अनुसूचित जाति की महिला किसानों के बीच बीज किट और औजार किट का वितरण	बेहरासाही गांव, पुरी जिला, 19 दिसम्बर, 2019	40	संकर बीज किट और औजार किट का वितरण	ज्योति नायक तनुजा एस. गीता साहा
5.	मधुमक्खी पालन पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. कदुआ गांव, पुरी जिले की खेतिहर महिलाओं के लिए, 16-17 मार्च 2020	9	• उद्यमशीलता विकास • मधुमक्खी पालन और छत्तों से शहद निकालना • घर के पिछवाड़े सब्जियों की खेती का महत्व	ज्योति नायक तानिया सेठ गीता साहा सुब्रत कुमार दास

TRAINING/ SEMINAR/ SYMPOSIUM ATTENDED

S. No.	Programme (Conference/ Workshop/ Training/ Meeting)	Venue	Date	Attended by
1	International consultation on Promoting nutrition- sensitive approaches	Bhubaneswar	18 October, 2019	Jyoti Nayak
2	National conference on Livelihood improvement through sustainable livestock production	ICAR-CIRC, Meerut	3-4 November, 2019	A. K. Panda
3	ISEE National Seminar-2019 on Holistic approach for enhancing agricultural growth in changing rural scenario organized by Indian Society of Extension Education	SKRAU, Bikaner	14-16 November, 2019	Lipi Das
4	Extension council meeting	MPUAT, Udaipur	19 November, 2019	Lipi Das
5	'Cross-learning workshop for developing a women-led farmer producer company: Opportunities and challenges' organized by IRRI, Philippines	Krushi Bhawan, Bhubaneswar	21-22 November, 2019	Sabita Mishra
6	Training programme on Multivariate analysis using R	ICAR-NAARM, Hyderabad	22-27 November, 2019	Ananta Sarkar
7	Workshop on fruit crop diversification for sustainability and nutritional security	ICAR-IIHR Central Horticultural Experiment Station, Bhubaneswar	29 November, 2019	Tania Seth M. Prusty
8	Dr. A P J Abdul Kalam IGNITE Award function	National Innovation Foundation – India, Grambharti, Gandhinagar, Gujarat	30 November, 2019	S.K. Srivastava
9	Inspire 2.0: Confluences of rice ecosystem stakeholders for popularizing ICAR/SAUs technologies in Odisha	ICAR-NRRI, Cuttack	6 December, 2019	S.K. Srivastava Lipi Das
10	Participatory study on farm ecosystem: Dissemination workshop of research findings	Bhubaneswar	6-7 December, 2019	A. K. Panda
11	Board of Management Meeting of OUAT	OUAT, Bhubaneswar	10 December, 2019	S.K. Srivastava
12	IV Workshop of Nodal Officers of ICAR research data repository for knowledge management	NASC, New Delhi	10-11 December, 2019	Ananta Sarkar
13	Annual workshop of AICRP on ESA	CAET, OUAT, Bhubaneswar	10 - 11 December, 2019	Chaitrali S. Mhatre Jyoti Nayak

प्रशिक्षण/समिनार/ सगोष्ठी म प्रतिभागिता

क्र. स	कायक्रम (सम्मलन/ कायशाला/ प्रशिक्षण/ बठक)	स्थान	तिथि	प्रतिभागी
1	पोषण संवेदी दृष्टिकोणों को बढ़ावा देने पर अंतरराष्ट्रीय परामर्श	भुवनेश्वर	18 अक्तूबर, 2019	ज्योति नायक
2	टिकाऊ पशुधन उत्पादन के माध्यम से आजीविका सुधार पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	भा.कृ.अनु.प.'सीआ-ईआरसी, मेरठ	3-4 नवम्बर, 2019	ए. के. पांडा
3	इंडियन सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन द्वारा परिवर्तनशील ग्रामीण परिदृश्य में कृषि वृद्धि को आगे बढ़ाने हेतु सम्पूर्ण दृष्टिकोण पर आयोजित आईएसईई राष्ट्रीय सेमिनार 2019	एसकेआरएयू, बीकानेर	14-16 नवम्बर, 2019	लिपि दास
4	विस्तार परिषद की बैठक	एमपीयूएटी, उदयपुर	19 नवम्बर, 2019	लिपि दास
5	'महिलाओं के नेतृत्व में कृषक उत्पादक कंपनी का विकास : अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर आईआरआरआई, फिलीपींस द्वारा आयोजित सम्पूर्ण अधिगम कार्यशाला	कृषि भवन, भुवनेश्वर	21-22 नवम्बर, 2019	सबिता मिश्रा
6	R का उपयोग करके अनेक चर विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	भा.कृ.अ.प.-नार्म, हैदराबाद	22-27 नवम्बर, 2019	अनन्त सरकार
7	टिकाऊपन व पोषणिक सुरक्षा के लिए फल फसलों के विविधीकरण पर कार्यशाला	भा.कृ.अ.प.-आईआईएचआर केन्द्रीय बागवानी प्रायोगिक केन्द्र, भुवनेश्वर	29 नवम्बर, 2019	तानिया सेठ एम. पुस्ती
8	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आईजीएनआईटीई पुरस्कार समारोह	राष्ट्रीय नवोन्मेष फाउंडेशन इंडिया, ग्राम भारती गांधी नगर, गुजरात	30 नवम्बर, 2019	एस. के. श्रीवास्तव
9	इंस्पायर 2.0 : ओडिशा में भा.कृ.अनु.प./राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की प्रौद्योगिकियों के लोकप्रियकरण के लिए चावल पारिस्थितिक प्रणाली के हितधारकों का संगम	भा.कृ.अनु.प.-एनआरआरआई, कटक	6 दिसम्बर, 2019	एस. के. श्रीवास्तव लिपि दास
10	पारिस्थितिक प्रणाली पर प्रतिभागिता अध्ययन : अनुसंधान निष्कर्षों के प्रचार-प्रसार पर कार्यशाला	भुवनेश्वर	6-7 दिसम्बर, 2019	**ए. के. पांडा**
11	ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल की बैठक	ओयूएटी, भुवनेश्वर	10 दिसम्बर, 2019	एस. के. श्रीवास्तव
12	ज्ञान प्रबंधन के लिए भा.कृ. अनु.प. अनुसंधान डेटा रिपोजिटरी के नोडल अधिकारियों की चौथी कार्यशाला	एनएएससी, नई दिल्ली	10-11 दिसम्बर, 2019	अनन्त सरकार
13	ईएसए पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक कार्यशाला	सीएईटी, ओयूएटी, भुवनेश्वर	10 - 11 दिसम्बर, 2019	चेत्राली एस. म्हात्रे ज्योति नायक

S. No.	Programme (Conference/ Workshop/ Training/ Meeting)	Venue	Date	Attended by
14	XXXVI Annual conference of IPSACON-2019	College of Vety. Sci. & AH, Durg	11-13 December, 2019	A. K. Panda
15	International conference on Animal nutrition (INCAN 2019)	Kolkata, West bengal	17-19 December, 2019	A. K. Panda
16	Off-campus Training Programme on "Capacity Building of Gender Functionaries in Agriculture and Allied Sectors" organized by MANAGE, Hyderabad	IMAGE, Bhubaneswar	17 December, 2019	J. Charles Jeeva (as Resource Person)
17	Apex Research – Extension State level Meeting	Krishi Bhawan, Bhubaneswar organized by Department of Agriculture, Govt of Odisha	17 December, 2019	S.K. Srivastava
18	Review meeting of AICRP centre Hyderabad with RAC Members	PJTSAU, Hyderabad	19 December, 2019	S. K. Srivastava Lipi Das J. Charles Jeeva
19	38th Convocation of OUAT	OUAT, Bhubaneswar	21 December, 2019	S. K. Srivastava
20	Workshop on Water management interventions for bridging the yield gap of major crops of India	ICAR-IIWM, Bhubaneswar	28 December 2019	S. K. Srivastava
21	Scientific Advisory Committee Meeting	KVK, Gajapati	17 January, 2020	S.K. Srivastava
22	Scientific Advisory Committee Meeting, KVK, Ganjam 2	KVK, Ganjam 2	16 January, 2020	Tanuja, S
23	Seminar on ''Enhancing Role of Women SHG for Agricultural Profitability'' held as part of the Krushi Odisha 2020.	Krushi Odisha 2020, Bhubaneswar	24 January, 2020	Lipi Das J. Charles Jeeva
24	Exhibition in association with State Agricultural Fair (Krushi Odisha, 2020)	Bhubaneswar	20-24 January, 2020	Jyoti Nayak Geeta Saha Sanjaya Ku. Behera
25	Trainers training on Recent advances in ornamental fish farming	ICAR-CIFA, Bhubaneswar	27-31 January, 2020	Tanuja, S
26	Brain Storming Workshop on Development of Technology Museum and Gender Sensitization Micro-Lab	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	29 February, 2020	All Scientists
27	Pusa Krishi Vigyan Mela 2020	ICAR-IARI, New Delhi	1-3 March, 2010	J. Charles Jeeva Manoranjan Prusty Pragati Kishore Rout
28	Director Conference through Video conferencing System with DG, ICAR	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	19 March, 2020	S.K. Srivastava

क्र. स	कायक्रम (सम्मलन/ कायशाला/ प्रशिक्षण/ बठक)	स्थान	तिथि	प्रतिभागी
14	आईपीएसएसीओएन-2019 पर XXXVI वां वार्षिक सम्मेलन	पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशु स्वास्थ्य महाविद्यालय, दुर्ग	11-13 दिसम्बर, 2019	ए. के. पांडा
15	पशु पोषण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनसीएएन 2019)	कोलकाता, पश्चिम बंगाल	17-19 दिसम्बर, 2019	ए.के. पांडा
16	'मैनेज' हैदराबाद द्वारा 'कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में लिंग संबंधी विषयों पर कार्यरत कर्मियों का क्षमता निर्माण' पर आयोजित परिसर इतर प्रशिक्षण कार्यक्रम	**इमेज**, भुवनेश्वर	17 दिसम्बर, 2019	जे. चार्ल्स जीवा (संसाधन व्यक्ति के रूप में)
17	अनुसंधान – विस्तार पर राज्य स्तर की शीर्षस्थ बैठक	ओडिशा सरकार के कृषि विभाग द्वारा कृषि भवन, भुवनेश्वर में आयोजित	17 दिसम्बर, 2019	एस. के. श्रीवास्तव
18	हैदराबाद स्थित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना केन्द्र की अनुसंधान परामर्श समिति के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक	पीजेटीएसएयू, हैदराबाद	19 दिसम्बर, 2019	एस. के. श्रीवास्तव लिपि दास जे. चार्ल्स जीवा
19	ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 38वां दीक्षांत समारोह	ओयूएटी, भुवनेश्वर	21 दिसम्बर, 2019	एस. के. श्रीवास्तव
20	भारत की प्रमुख फसलों में उपज अंतराल को पाटने के लिए जल-प्रबंधन संबंधी हस्तक्षेपों पर कार्यशाला	भा.कृ.अनु.प.-आईआईडब्ल्यूएम, भुवनेश्वर	28 दिसम्बर 2019	एस. के. श्रीवास्तव
21	वैज्ञानिक परामर्श समिति की बैठक	कृषि विज्ञान केन्द्र, गजपति	17 जनवरी, 2020	एस. के. श्रीवास्तव
22	वैज्ञानिक परामर्श समिति की बैठक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गंजम-2	कृषि विज्ञान केन्द्र, गंजम 2	16 जनवरी, 2020	तनुजा एस.
23	कृषि ओडिशा 2020 के अंग के रूप में 'कृषि लाभप्रदता के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को बढ़ाने' पर आयोजित सेमिनार	कृषि ओडिशा 2020, भुवनेश्वर	24 जनवरी, 2020	लिपि दास जे. चार्ल्स जीवा
24	राज्य कृषि मेला (कृषि ओडिशा 2020) के सहयोग में आयोजित प्रदर्शनी	भुवनेश्वर	20-24 जनवरी, 2020	ज्योति नायक गीता साहा संजय कुमार बेहरा
25	रंगीन मछली पालन में हुई हाल की प्रगतियों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	भा.कृ.अनु.प.-सीआईएफए, भुवनेश्वर	27-31 जनवरी, 2020	तनुजा एस.
26	प्रौद्योगिकी संग्रहालय और लिंग संवेदीकरण पर सूक्ष्म प्रयोगशाला के विकास पर विचार-मंथन कार्यशाला	भा.कृ.अ.प.-के. कृ.म.सं., भुवनेश्वर	29 फरवरी, 2020	सभी वैज्ञानिक
27	पूसा कृषि विज्ञान मेला 2020	भा.कृ.अ.प.-आईएआरआई, नई दिल्ली	1-3 मार्च, 2010	जे. चार्ल्स जीवा मनोरंजन प्रुस्ती प्रगति किशोर राउत
28	महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग प्रणाली के माध्यम से निदेशक सम्मेलन	भा.कृ.अ.प.-के. कृ.म.सं., भुवनेश्वर	19 मार्च, 2020	एस. के. श्रीवास्तव

TV PROGRAMME/ RADIO TALKS

- S.K. Srivastava: Exclusive Interview with NAXATRA News on 6 February, 2020.

AWARDS AND RECOGNITIONS

Name	Awards and Recognition
ICAR-CIWA	ICAR- Central Institute for Women in Agriculture bagged prestigious award "BEST INSTITUTE IN AGRICULTURE" by CMO Global (www.cmoglobal.org), CMO Asia (www.cmoasia.org) and World CSR Day (www.worldcsrday.com). Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA Bhubaneswar received the award on behalf of the institute during an event held on 12 February, 2020 during Agriculture Innovation Congress & Awards at Taj Lands End, Mumbai.
Dr. S.K. Srivastava	LIFETIME ACHIEVEMENT AWARD during 4th International Scientist Award on Engineering, Science and Medicine, VDGOOD Professional Association, Technology Factory, Chennai.

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

Physical targets and achievements for the Period October, 2019 - March, 2020

S. No.	Category	Total No. of Employees	No. of trainings planned for each category during 2019-20 as per ATP	No. of employees undergone training during April-Sept 2019	No. of employees undergone training during Oct 2019-March 2020
1	Scientist	17	3	2	2
2	Technical	12	2	3	1
3	Adminis-trative & Finance	8	2	Nil	Nil
4	SSS	1	Nil	Nil	Nil
	Total	38	7	5	3

RIGHT TO INFORMATION (RTI)

Transparency was facilitated through suo moto disclosures of information through Institutes website. A total of three queries under Right to Information Act were replied during the period.

RTI- Half yearly Report for the Period October, 2019-March, 2020

Category	Total Number of appli cations received	Number of applications received		Number of cases trans ferred to other PAs	Deci sions where requests/ appeals accepted	Amount of Regn. Fee col lected (Rs.)
		Directly from the applicants	As trans ferred from other PAs			
Requests	3	3	Nil	Nil	3	30

टीवी कायक्रम/ रडियो वाताए

- एस. के. श्रीवास्तव, दिनांक 6 फरवरी 2020 को 'नक्षत्र न्यूज' के साथ साक्षात्कार

परस्कार एव सम्मान

नाम	परस्कार एव सम्मान
भा.कृ.अ.प.-के. कृ.म.सं.	भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान को सीएमओ ग्लोबल (www.cmoglobal.org) सीएमओ एशिया (www.cmoasia.org) और विश्व सीएसआर दिवस (www.worldcsrday.com) द्वारा 'कृषि में सर्वश्रेष्ठ संस्थान' का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव ने 12 फरवरी 2020 को ताज लैंड्स एंड, मुम्बई में कृषि नवोन्मेष कांग्रेस एवं पुरस्कार समारोह के आयोजन के अवसर पर संस्थान की ओर यह पुरस्कार प्राप्त किया।
डॉ.एस. के. श्रीवास्तव	अभियांत्रिकी, विज्ञान एवं औषधि पर बीडीजीओओडी, प्रोफेशनल एसोसिएशन, टैक्नोलॉजी फैक्टरी, चैन्नई में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार समारोह के दौरान जीवनपर्यंत उपलब्धि पुरस्कार

मानव ससाधन विकास

अक्तूबर 2019-मार्च 2020 अवधि के लिए भौतिक लक्ष्य तथा उपलब्धियां

क्र.स.	श्रणी	कमचारियों की कल सख्या	एटीपी क अनसार 2019-20 क दौरान प्रत्यक श्रणी क लिए नियोजित प्रशिक्षणों की सख्या	अप्रल-सितम्बर 2019 क दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करन वाल कमचारियों की सख्या	अक्तबर 2019-माच 2020 क दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करन वाल कमचारियों की सख्या
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1	वैज्ञानिक	17	3	2	2
2	तकनीकी	12	2	3	1
3	प्रशासनिक एवं वित्त	8	2	शून्य	शून्य
4	कुशल सहायी कर्मचारी	1	शून्य	शून्य	शून्य
	कुल	38	7	5	3

सचना का अधिकार (आरटीआई)

संस्थानों की वेबसाइट के माध्यम से सूचना का यथास्थिति खुलासा करते हुए पारदर्शिता बनाए रखी गई। सूचना के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कुल 3 प्रश्नों के उत्तर दिए गए।

अक्तूबर 2019-मार्च 2020 की अवधि के लिए आरटीआई की अर्ध वार्षिक रिपोर्ट

श्रणी	प्राप्त आवदनों की सख्या	प्राप्त किए गए आवदनों की सख्या		अन्य पीए को हस्तातरित मामलों की सख्या	निणय जहा अनरोध/ अपील स्वीकार की गई	एकत्र की गई पजी करणशल्क की राशि (रुपयों म)
		आवदकों स सीध	अन्य पीए स हस्तातरित			
अनुरोध	3	3	शून्य	शून्य	3	30

APPOINTMENTS/ JOINING (ICAR-CIWA)

Name	Designation	Date	Details
Dr. Tania Seth	Scientist	26 November, 2019	On transfer
Dr. Praveen Jakhar	Senior Scientist	30 November, 2019	On transfer
Dr. Sachidananda Swain	Scientist	18 December, 2019	On transfer

PROMOTIONS (ICAR-CIWA)

Name	Promoted to the post
Sh. Shaji A.	Assistant Chief Technical Officer (T-7-8)
Sh. Bishnu Charan Sahu	Technical Officer (T-5)
Mrs. Tapaswini Sahoo	Senior Technical Assistant (T-4)
Sh. Sanjay Kumar Behera	Senior Technical Assistant (T-4)
Sh. Pragati Kishore Rout	Senior Technical Assistant (T-4)
Sh. Subrat Kumar Das	Senior Technical Assistant (T-4)
Sh. Atul Chetan Hemrom	Senior Technical Assistant (T-4)

नियक्तिया/पदभार ग्रहण (भा.क.अन.प.-क.क.म.स.)

नाम	पदनाम	तिथि	विवरण
डॉ. तानिया सेठ	वैज्ञानिक	26 नवम्बर, 2019	स्थानांतरण
डॉ. प्रवीण जाखड़	वरिष्ठ वैज्ञानिक	30 नवम्बर, 2019	स्थानांतरण
डॉ. सच्चिदानंद स्वैन	वैज्ञानिक	18 दिसम्बर, 2019	स्थानांतरण

पदोन्नति (भा.क.अन.प.-क.क.म.स.)

नाम	जिस पद पर पदोन्नत
श्री शाजी ए.	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (टी-7-8)
श्री बिष्णु चरन साहू	तकनीकी अधिकारी (टी-5)
श्रीमती तपस्वनी साहू	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी-4)
श्री संजय कुमार बेहरा	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी-4)
श्री प्रगति किशोर राउत	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी-4)
श्री सुब्रत कुमार दास	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी-4)
श्री अतुल चेतन हेमरॉम	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (टी-4)

Editors : Dr. J. Charles Jeeva
Dr. Ananta Sarkar
Dr. Tanuja, S.

Published by : Dr. S.K. Srivastava
Director

ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Bhubaneswar, Odisha- 751 003 (India)
Phone No.: (0674)-2387220, 2387940, 2387241
Fax No.: (0674) 2387242
E-mail: director.ciwa@icar.gov.in
Website: http://www.icar-ciwa.org.in

संपादक : डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
डॉ. अनन्त सरकार
डॉ. तनुजा एस.

प्रकाशक : डॉ. एस. के. श्रीवास्तव
निदेशक
भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान
भुवनेश्वर, ओडिशा - 751 003 (भारत)
दूरभाष : (0674)-2387940, 2387241
फैक्स : (0674) 2387242
ई-मेल: director.ciwa@icar.gov.in
वेबसाइट: http://www.icar-ciwa.org.in